A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 08 अगस्त, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 332 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

प्रशांत किशोर की नजर क्या बिहार के मुसलमानों पर है?

सीटू तिवारी

4 अगस्त को पटना के गांधी मैदान के पास बने बापू सभागार में हज़ारों युवा जनसुराज के युवा संवाद आयोजन में जुटे। मंच पर सालों तक देश की अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों के लिए चुनावी कैंपेन करने वाले प्रशांत किशोर थे। प्रशांत किशोर नीले कुर्ते में पेपर लीक पर राहुल गांधी के स्टैंड से लेकर 'दसवीं फेल युवा नेतृत्व' जैसी बातें कहकर तेजस्वी यादव पर इशारों में तंज कस रहे थे। बिहार की राजधानी पटना में पीके यानी प्रशांत किशोर की इस तरह की बैठकें लगातार चल रही हैं।

इन बैठकों की सोशल मीडिया पर चर्चा है।

यह एक तरह से उनकी जनसुराज पार्टी की ग्रैंड लॉन्चिंग की तैयारी है जो आगामी दो अक्टूबर को लॉन्च होगी। वरिष्ठ पत्रकार मणिकांत ठाकुर कहते हैं, 'प्रशांत किशोर के इन कदमों ने एक तरह की राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। बिहार में 35 साल से जो कथित सामाजिक न्याय की सरकारें रही हैं, वो विफल साबित हुई हैं। बिहार की राजनीति में तीन चार नाम ही प्रमुखता से लिए जाते हैं। प्रशांत किशोर खुद को नए विकल्प के तौर पर प्रोजेक्ट करने में आरंभिक तौर पर सफल दिख रहे हैं।'

चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर ने 2022 में दो अक्टूबर यानी गांधी जयंती के दिन से उन्होंने जनसुराज नाम से पदयात्रा शुरू की थी। बिहार के अंदरूनी इलाकों में प्रशांत किशोर ने ये यात्राएं की हैं। जनसुराज की वेबसाइट के मुताबिक़- प्रशांत की यात्रा के 665 दिन हो चुके हैं, जिसमें उन्होंने 1319 पंचायत के 2697 गांव में संपर्क किया है।

'प्रशांत किशोर की ये यात्राएं बहुत ही मामूली तैयारी के साथ होती थीं। प्रशांत किशोर अपनी मीटिंग में लोगों से कहते थे कि जाति और धर्म के नाम पर वोट दे दिया लेकिन अब पढ़ाई, रोजगार और स्वास्थ्य के नाम पर वोट दीजिए।'

वरिष्ठ पत्रकार अरुण श्रीवास्तव कहते हैं, 'प्रशांत किशोर की राजनीति को देखें तो वो धीरे धीरे बिहार की पारंपरिक राजनीति के ढर्रे पर आते दिख रहे हैं। पहले वो जाति और धर्म के नाम पर वोट देने पर सवाल करते थे। लोकतंत्र की मजबूती और बिहार के विकास का नया ब्लूप्रिंट तैयार करना उनकी यात्रा का मकसद था लेकिन अब वो खुद 'डीईएम' पर जोर दे रहे हैं।'

बीती 28 जुलाई को पटना में जनसुराज की राज्य स्तरीय बैठक में ये तय हुआ है कि पार्टी का पहला अध्यक्ष दलित, दूसरा अति पिछड़ा और तीसरा मुस्लिम समुदाय से होगा। पिछड़ा और सवर्ण समुदाय से आने वाले पार्टी अध्यक्ष इन तीनों के बाद बनेंगे। यानी प्रशांत किशोर का लक्ष्य डीईएम है। इस लक्ष्य की वजह बिहार की जाति आधारित जनगणना के आंकड़ों में मिलती है।

इससे पहले प्रशांत किशोर घोषणा कर चुके हैं कि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में कम से कम 40 महिलाओं को टिकट देगी। वहीं आरजेडी के पार्टी प्रवक्ता चितरंजन गगन कहते हैं, 'पीके का तो दोहरा चरित्र सामने आ रहा है। वो पहले जात पात के ख़िलाफ़ बोल रहे थे लेकिन अब तो वो दलित अतिपिछड़ा कर रहे हैं। पीके किसके लिए काम कर रहे हैं ये बिहार की जनता समझ चुकी है। वो बीजेपी की बी टीम हैं।' चितरंजन गगन के इस बयान से इतर बिहार के राजनीतिक दलों में पीके की चुनावी इंट्री से बेचैनी बड़ी है। खासतौर पर जेडीयू और आरजेडी में। दरअसल, प्रशांत किशोर डीईएम के जरिए जिस वोट बैंक को टारगेट कर रहे है वो मुख्य तौर पर जेडीयू और आरजेडी का आधार वोट रहा है। कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विश्वस्त सहयोगी रहे प्रशांत किशोर का दावा है कि आगामी 2 अक्टूबर को एक करोड़ सदस्यों के साथ जनसुराज पार्टी लॉन्च होगी। चार अगस्त को युवा संवाद में पत्रकारों से प्रशांत किशोर ने कहा, 'मुसलमान बीजेपी के डर से आरजेडी को वोट दे रहे हैं। लोगों को अब नया विकल्प मिल है।'

बीते दिनों में जनसुराज में शामिल होने वालों की फेहरिस्त देखें तो जेडीयू-आरजेडी से जुड़े रहे मोनाजिर हसन, जननायक कर्पूरी ठाकुर की पोती जागृति ठाकुर, आरजेडी के विधान पार्षद रहे रामबलि सिंह चंद्रवंशी, बक्सर से लोकसभा निर्दलीय प्रत्याशी रहे आनंद मिश्रा से लेकर ज़मीनी स्तर के जेडीयू-आरजेडी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए हैं। जमीनी तौर पर शामिल इन कार्यकर्ताओं में एक बड़ी तादाद मुस्लिम समुदाय की है। वरिष्ठ पत्रकार फैजान अहमद कहते हैं, 'बिहार में मुसलमान क्रॉसरोड पर हैं। जेडीयू को लेकर एक तरह का संशय उनके मन में है और बीते कुछ चुनावों को देखें तो ये लगता है कि मुसलमान एंटी आरजेडी वोट कर रहा है। प्रशांत किशोर मुसलमानों की दुविधा को समझ रहे हैं और इसी के हिसाब से अपनी रणनीति बना रहे हैं।' हाल ही में जनसुराज मुस्लिम समुदाय के साथ पटना में बैठक कर चुका है। जनसुराज में शामिल हुए मोनाजिर हसन कहते हैं, 'लालू जी, तेजस्वी और नीतीश जी को मुसलमानों ने देख लिया है। नीतीश जी ने मुसलमानों के लिए कुछ किया भी तो वो बीजेपी के साथ हैं। ऐसे में प्रशांत किशोर मुसलमानों के लिए अंधेरे में जलता दीया जैसे हैं। जनसुराज मुसलमानों की ही नहीं बल्कि सभी जातियों की पार्टी बनेगी।'

जनसुराज की इस सक्रियता के चलते ही आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को हाल ही में एक चिट्ठी जारी करनी पड़ी।

इस चिट्ठी में लिखा है, 'जनसुराज बीजेपी की बी टीम है। इसलिए ऐसे लोगों के बहकावे में ना आएं, उनकी मंशा आरजेडी को कमजोर करने और बीजेपी की शक्ति को बढ़ावा देने की है।'

इधर बीजेपी जनसुराज के साथ किसी तरह के ताल्लुक से इंकार करती है। पार्टी के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री निखिल आनंद कहते हैं, 'हम बड़ी और सक्षम पार्टी हैं। हमें किसी को बी टीम बनाने की क्या ज़रूरत है। आरजेडी में भगदड़ है तो ये उनके लिए चिंता का विषय है। वैसे भी अभी पीके की राजनीतिक निष्ठा साबित नहीं हुई है तो उसको गंभीरता से हम लोग क्यों लेंगे?'

चार अगस्त को युवा संवाद के आयोजन में प्रशांत किशोर ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, 'बिहार के लिए कुछ करना है तो पैसे की चिंता मत कीजिए। चुनाव हारने जीतने की चिंता मत कीजिए।' प्रशांत किशोर के इस वक्तव्य से एक अहम सवाल उठता है कि आखिर जनसुराज की फंडिंग कहां से हो रही है। प्रशांत किशोर ने चुनावी रणनीतिकार के तौर पर आई पैक कंपनी बनाई थी।

लेकिन आई पैक में उनकी भूमिका क्या है, इसका लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित रिपोर्ट के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

वह आवाज जो सबसे ज्यादा छाई रहती है आसमान
के परदे पर
इन दिनों कहाँ गुम है
क्यों कुछ बोल नहीं पा रही है
जबकि सुनने को बेताब बैठा है सारा जमाना
पेड़ पौधे तक कान खोले बैठे हैं
पुकार रहे हैं रोते बिलखते घर
वे लपटें जो धू धू कर जल रही हैं
वह चीख जो व्यापी हुई है त्रैलोक्य में
क्यों नहीं सुनाई दे रही है उसे
वह जो त्राता है
अवतार है
है खेवनहार।
अयोध्या के राम तुम कहाँ हो
कहाँ हो मथुरा के कृष्ण
विश्वनाथ काशी के
जागो
उठो और चलो वहाँ
जहाँ चीख पुकार मची है
लपटें उठ रही हैं धू धू जलती बस्तियों से
मुहल्ले रो चीख रहे हैं
आर्तनाद ही आर्तनाद सुनाई दे रहा है चतुर्दिश
तब भी चुप्पी मारे क्यों बैठे हो तुम
कहाँ हो तुम !हे भारत भाग्य विधाता
त्राता त्रैलोक्य के।

- विजय बहादुर सिंह

पेरिस ओलंपिक से बुरी खबर

बाहर हो गई रेसलर विनेश

पेरिस (एजेंसी)। 6 अगस्त की रात विनेश फोगाट के गोल्ड मेडल का सपना लिए हर भारतीय सोया होगा, लेकिन 7 अगस्त की सुबह यह सपना चकनाचूर हो गया। पेरिस ओलंपिक गेम्स में महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में भारत की स्टार विनेश फोगाट ने फाइनल तक का सफर एक दिन में तय कर लिया।

विनेश ने 6 अगस्त को खेले गए अपने तीनों मैच जीते और फाइनल में पहुंचकर भारत के लिए कम-से-कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया था, लेकिन इसके अगले दिन उन्हें डिस्क्वॉलिफाई कर दिया गया। विनेश का वजन 100 से 150 ग्राम ज्यादा था, जिसके चलते उन्हें अयोग्य करार दिया गया और अब उन्हें कोई मेडल नहीं मिलेगा। दरअसल ओलंपिक में कुश्ती के नियम के मुताबिक दो दिन के अंदर मुकाबले होते हैं और दोनों दिन ही हिस्सा लेने वाले पहलवानों का वजन किया जाता है।

● **100 ग्राम ज्यादा वजन से भारतीयों का सपना चकनाचूर**

भारतीय रेसलर विनेश फोगाट को तय कैटेगरी में ज्यादा वजन होने की वजह से पेरिस ओलिंपिक से बाहर होना पड़ा है। विनेश 50 केजी की कैटेगरी में खेलती हैं। उनका वजन करीब 100 ग्राम ज्यादा मिला।

विनेश फोगाट को पीएम मोदी ने बंधाया ढांढस

● कहा-विनेश आप चैंपियंस की चैंपियन हैं, आप पर हर भारतीय को गर्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला पहलवान विनेश फोगाट को ओलंपिक में करारा झटका लगा है। वह सेमीफाइनल जीतकर फाइनल मैच में उतरने वाली थीं, लेकिन वजन तय नियमों से ज्यादा पाए जाने के चलत उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया। ओलंपिक समिति के इस फैसले से विनेश फोगाट और भारत की उम्मीदों को बड़ा धक्का पहुंचा है। इस बीच

पीएम नरेंद्र मोदी ने विनेश फोगाट के लिए एक्स पर एक पोस्ट लिखा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने लिखा, विनेश आप चैंपियंस की चैंपियन हैं। आप भारत के लिए गर्व हैं और हर भारतीय के लिए एक प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि आज का झटका दुख पहुंचाने वाला है। मैं समझ सकता हूं कि इससे कितना बड़ा सदमा पहुंचा होगा। यही नहीं पीएम मोदी ने कहा कि आप चुनौतियों से आगे बढ़ने की राह बनाती रही हैं। आप और मजबूत होकर उभरेंगी। हम सभी आपके साथ हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस मामले में भारतीय ओलंपिक समिति की अध्यक्ष पीटी उषा से भी बात की है। उन्होंने पीटी उषा से इस मामले में पूरी जानकारी ली।

भोपाल कमिश्नर पवन शर्मा, वित्त सचिव अजीत कुमार जाएंगे दिल्ली

डेपुटेशन पर जाएंगे, एमपी कैडर के 4 अफसरों के काम भी बदले

भोपाल (नप्र)। भोपाल संभागायुक्त पवन शर्मा केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे। इसके अलावा, वित्त विभाग के सचिव स्तर के अधिकारी अजीत कुमार भी दिल्ली जाएंगे। केंद्रीय कार्मिक विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। उधर, केंद्र में पदस्थ एमपी कैडर के चार अफसरों के कामों में बदलाव किया है। ये अधिकारी पहले से ही केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। इन अफसरों में दीप्ति गौड़ मुखर्जी, नंदकुमारम, वी. किरण गोपाल, छवि भारद्वाज के नाम शामिल हैं।

केंद्र में पदस्थ अधिकारियों अनुराग जैन, आशीष उपाध्याय, अलका उपाध्याय, मनोज गोविल, पंकज अग्रवाल, आशीष श्रीवास्तव, वीएल कांताराव, नीलम शमी राव, दीप्ति गौड़ मुखर्जी, हरिरंजन राव, पल्लवी जैन गोविल, नीतेश कुमार व्यास, फैज अहमद किदवई, केरोलिन खोंगवार देशमुख के बाद अब एमपी कैडर के दो और अधिकारी पवन शर्मा और अजीत कुमार दिल्ली प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे। जो अन्य अधिकारी पहले से डेपुटेशन पर हैं, उनमें आकाश त्रिपाठी, ज्ञानेश्वर पाटिल, राहुल जैन, संकेत भोंडवे, शशांक मिश्रा, जेपी आइरिन सिंथिया, विकास नरवाल, स्वाती मीणा नायक, नंदकुमारम, विशेष गढ़पाले, षणमुगा मिश्रा, विजय कुमार जे, आशीष भार्गव, रूही खान के नाम शामिल हैं।

म.प्र. में 3 सितंबर को होगा राज्यसभा का चुनाव, सिंधिया के इस्तीफे से खाली हुई सीट पर कई नेता दावेदार

भोपाल (नप्र)। सिंधिया के इस्तीफे के 57 दिन बाद इस सीट पर चुनाव का ऐलान किया गया है। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) द्वारा जारी चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक मध्यप्रदेश सहित 9 राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों पर 3 अगस्त को चुनाव होगा।

राज्यसभा की दौड़ में एमपी के कई नेता– ज्योतिरादित्य सिंधिया के इस्तीफे के बाद खाली हुई राज्यसभा सीट पर 21 जून 2026 तक का कार्यकाल बचा है। राज्यसभा जाने के लिए बीजेपी के कई नेता कतार में हैं। इनमें पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पूर्व सांसद डॉ. केपी यादव, पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया, पूर्व विधायक चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह मुख्य दावेदारों में शामिल हैं। बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार और पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर के नाम भी चर्चा में हैं।

राज्यसभा चुनाव शेड्यूल

- 14 अगस्त को नोटिफिकेशन जारी होगा।
- 21 अगस्त तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे।
- 26 अगस्त नाम वापसी का आखिरी दिन।
- 3 सितंबर को वोट डाले जाएंगे। इसी दिन काउंटिंग होगी।

40 लाख लाड़ली बहनों को 450 में मिलता रहेगा सिलेंडर

ग्वालियर में 28 अगस्त को रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगा

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का 2 लाख का बीमा; दिव्यांगता पर मिलेंगे 1 लाख

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में 40 लाख लाड़ली बहनों को 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर मिलता रहेगा। इससे ऊपर की राशि की भरपाई राज्य सरकार करेगी। यह निर्णय मंगलवार को भोपाल में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ देने का निर्णय भी लिया गया। कैबिनेट की बैठक के बाद नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि प्रदेश में 97 हजार 300 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। दोनों बीमा योजनाओं का प्रीमियम राज्य सरकार भरेगी।

बैठक में ये फैसले भी हुए- सभी जिलों में आयुष के माध्यम से मरीजों को लाभ दिलाने के सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

पिछले साल रक्षाबंधन पर शिवराज ने दिया था 450 में सिलेंडर

बता दें कि पिछले साल चुनाव से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कि लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन पर गैस सिलेंडर 450 रुपए में दिया था। उन्होंने 4 जुलाई से लेकर 31 अगस्त तक गैस सिलेंडर रिफिल कराने वाली लाड़ली बहनों को अनुदान राशि खातों में दी थी।

सुरक्षा बीमा के लिए 20 रुपए प्रीमियम राशि– प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना 18–59 साल की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सहायिका को 20 रुपए प्रति हितग्राही वार्षिक प्रीमियम जमा होगा। दुर्घटना में मृत्यु या स्थाई पूर्ण अपंगता की स्थिति में 2 लाख रुपए जबकि आंशिक लेकिन स्थाई अपंगता की स्थिति में 1 लाख रुपए दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

22 जिलों के आयुष चिकित्सालयों में 213 नए पद

आलीराजपुर, आगर-मालवा, रीवा, अनूपपुर, ग्वालियर, अशोकनगर, भिंड, कटनी, उमरिया, बैतूल, भोपाल, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, धार, मुरैना, सतना, शहडोल, सिंगरौली, उज्जैन, सागर और निवाड़ी के एलोपैथी चिकित्सालय में 213 नए पद भरे जाएंगे। इसके लिए 19 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए।

जीवन ज्योति बीमा योजना में 436 रुपए प्रीमियम राशि

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 साल तक की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सहायिका के लिए 436 रुपए प्रति हितग्राही वार्षिक प्रीमियम जमा होगा। इसके बाद किसी कारण से मृत्यु की दशा में 2 लाख रुपए का जीवन जोखिम कवर मिलेगा।

शिवपुरी में देश की पहली 3 जनमन आवास कॉलोनी तैयार

● पंचायत मंत्री बोले-उद्घाटन के लिए गृहप्रवेश नहीं रोका जाएगा, घर रेडी होते ही पजेशन मिलेगा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जनवरी को पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान) योजना के तहत विशेष पिछड़ी सहरिया जनजाति के लिए शहर की तरह सर्वसुविधायुक्त आवास बनाने के लिए पहली किश्त जारी की थी। मप्र के शिवपुरी जिले में सहरिया आदिवासियों के लिए बन रहे जनमन आवास तैयार हो रहे हैं।

इस योजना से बन रहे आवासों के उद्घाटन को लेकर पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा जनमन योजना से जैसे-जैसे आवास बनते जा रहे हैं लोग पजेशन लेते जा रहे हैं। बड़ी संख्या में आवास बने हैं ये गर्व की बात है। उद्घाटन के चक्कर में किसी का गृह प्रवेश नहीं रोका जाएगा। जो आवास बनते जाएंगे उसमें लोग शामिल होते जा रहे हैं।

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 08 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

उफान पर नदियां, पानी-पानी हुए यूपी और बिहार

- हिमाचल में 27 जून से अब तक 93 लोगों की हुई मौत
- राजस्थान में बाढ़, घरों में 5 फीट पानी, 10 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में तेज बारिश के कारण गंगा और यमुना नदी उफान पर हैं। मुरादाबाद में इतनी बारिश हुई कि रेल ट्रैक पानी में डूब गया। पीलीभीत में सड़क बह गई। बिहार में भी तेज बारिश के चलते सीतामढ़ी, गया, सुपौल, गोपालगंज के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। गंडक, बागमती और कोसी नदी उफान पर है। उधर, राजस्थान के जैसलमेर, पाली और जोधपुर में पिछले 24 घंटों के दौरान तेज बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात हैं। जैसलमेर के मोहनगढ़ में 10 इंच, पोकरण में 7 इंच बारिश दर्ज की गई। पाली में 10 इंच और जोधपुर में 9 इंच बारिश दर्ज की गई। पाली में बाढ़ के चलते शहर की 52 से ज्यादा कॉलोनियां पानी में डूब गईं। यहां 5 फीट तक पानी भरा हुआ है। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में मंगलवार देर रात डेढ़ बजे एक ब्रिज गिर गया। इस दौरान ब्रिज क्रॉस कर रहा ट्रक काली नदी में गिर गया। ट्रक का ड्राइवर भी उसी ट्रक में था।

संक्षिप्त समाचार

- मेट्रो यात्रियों को इंडियन रेलवे की बड़ी सौगात

जल्द ही भीड़भाड़ की झंझट हो जाएगी खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता मेट्रो रेलवे ने यात्रियों को बड़ी सौगात दी है। उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर में विशेष सुविधाओं से युक्त डालियान कोच का परिचालन शुरू किया गया है। एक

अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। डालियान डिब्बे चौड़े दरवाजे, बैठने की अधिक क्षमता और बेहतर वातानुकूलन जैसी सुविधाओं से युक्त हैं। कोलकाता मेट्रो रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि रैक (एमआर-513) को 5 अगस्त की दोपहर 12.06 बजे शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित दमदम स्टेशन से रवाना किया गया।

वक्फ बोर्ड की जमीन पर बनेगा इंटरनेशनल फुटबॉल स्टेडियम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र से खबर आ रही है कि छत्रपति संभाजीनगर में वक्फ बोर्ड के स्वामित्व वाले मैदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर का फुटबॉल स्टेडियम बनाने की योजना है। मामले में जानकार एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि संभाजीनगर में आमखास मैदान को

अंतरराष्ट्रीय स्तर का फुटबॉल स्टेडियम बनाया जाएगा। यह मैदान वक्फ बोर्ड के स्वामित्व में आता है। इस पर फैसला संरक्षक मंत्री अब्दुल सत्तार की अध्यक्षता और खेल मंत्री संजय बनसोडे की मौजूदगी में लिया गया। जिला कलेक्टर फुटबॉल स्टेडियम के लिए प्रस्ताव तुरंत खेल विभाग को सौंपे।

खान यूनिस का कसाई याह्या सिनवार हमास चीफ बना

बेरूत (एजेंसी)। इस्माइल हानियेह की मौत के बाद याह्या सिनवार को हमास का चीफ बनाया गया है। हमास ने मंगलवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। इससे पहले याह्या सिनवार सिर्फ गाजा में हमास की कमान

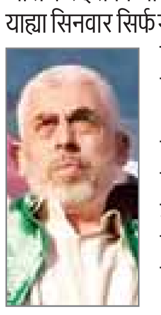

संभाल रहा था। हानियेह जहां कतर से संगठन को ऑपरेट कर रहा था, वहीं, सिनवार गाजा में ही रहता है। 2017 में जब उसे गाजा का चीफ बनाया गया था, तब से वह कभी भी सामने नहीं आया है। सिनवार की हमास पर काफी मजबूत पकड़ है। 1 जुलाई को तेहरान में हानियेह के ठिकाने पर मिसाइल से हमला किया गया था। इसमें हानियेह और उसके एक बॉडीगार्ड की मौत हो गई थी। हानियेह की अगुआई में ही हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर 75 सालों का सबसे बड़ा हमला किया था। इसमें 1,200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। जबकि सिनवार इसका मास्टरमाइंड था।

मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में

आरएनटीयू एवं एमएलबी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में हुआ युवाओं द्वारा कहानी पाठ एवं परिचर्चा का आयोजन

- युवाओं द्वारा प्रेमचंद की कहानियों का पाठ भविष्य को लेकर संतोष प्रदान करता है : डॉ. सुधीर शर्मा
- ईदगाह तथा पंच परमेश्वर पर युवाओं ने रखे अपने विचार

भोपाल। उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं हिंदी विभाग रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय तथा महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में कहानी पाठ एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। पत्रकारिता के छात्र विकास त्रिवेदी ने पंच परमेश्वर व अंबिका प्रसाद ने ईदगाह कहानी का पाठ किया। जिन पर 10 संस्थाओं के 20 युवाओं ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं लेखक डॉ सुधीर शर्मा ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद का साहित्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि 100 साल पहले था। प्रेमचंद आम आदमी की समस्याओं पर बड़ी बारीकी से मुखर होते हैं और समाज को आईना दिखाते हैं। मुझे खुशी है कि आज भारी बारिश में भी युवाओं ने कहानी पाठ का आयोजन करके चर्चा भी की है। युवाओं का यह जुझारूपन भविष्य को लेकर संतोष प्रदान करता है। वहीं विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रेमचंद शरतचंद्र यादगार समिति की सदस्य सोनम शर्मा ने कहा कि प्रेमचंद सामाजिक क्रांति की चिंगारी बड़े आराम से फूंकते हुए मालूम होते हैं। जिससे समाज का ताना-बाना भी न टूटे और समाज में एक किस्म की हलचल भी पैदा हो जाए। वहीं कार्यक्रम संयोजक युवा लेखक गब्बर सिंह ने कहा कि प्रेमचंद हमें समाज केंद्रित नागरिक बनाने की कोशिश करते हैं। वर्तमान समय के साहित्य में इस चीज की कमी दिखाई देती है। वर्तमान समय का साहित्य आत्ममुग्धता की ओर ले जाता है। प्रेमचंद साहित्य के क्षेत्र के कबीर है वो कबीर की भांति समान रूप से सभी धर्मों व वर्गों की बुराइयों पर चोट करते हैं। इस अवसर पर यूथ फॉर सेवा के अतर साहू व युवा लेखिका डॉ मौसमी परिहार ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सोनिया मीना एवं अविनाश कुमार ने व आभार डॉ रेखा गुप्ता ने किया।

वार्ड - 68 अयोध्या नगर परशुराम चौराहे से इसरो गेट एन सेक्टर तक रोड निर्माण कार्य की स्वीकृति

भोपल। वार्ड- 68 अयोध्या नगर के परशुराम चौराहे से इसरो गेट एन सेक्टर तक रोड निर्माण कार्य हेतु माननीय मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर के निर्देश पर नगर निगम सिविल शाखा के अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती उर्मिला मौर्य एवं क्षेत्रीय रहवासियों व भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में निरीक्षण किया गया इस रोड का कार्य पूर्व में अन्य बजट से किया जाना निश्चित किया गया था जिसमें टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात बजट न उपलब्ध होने के कारण इस कार्य को पूर्ण नहीं किया जा सका क्षेत्रीय रेवासियों द्वारा इस कार्य की मांग बहुत समय से की जा रही थी जिसे माननीय मंत्री जी द्वारा पूर्ण करते हुए इस कार्य हेतु 74 लाख का बजट स्वीकृत कराया गया व अधिकारियों को शीघ्र टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय रहवासियों को आश्वस्त किया गया की वर्षा ऋतु पूर्ण होने के पश्चात इस रोड का कार्य पूर्ण कर दिया जाएगा क्षेत्रीय रहवासियों द्वारा इस निर्णय पर खुशी व्यक्त की गई व माननीय मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर को आभार प्रकट किया व क्षेत्रीय पार्षद को समस्या के निराकरण हेतु प्रयासरत रहने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया इस अवसर पर नगर निगम के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बृजेश कौशल, सब इंजीनियर फुरकान, संदीप, अखिलेश जी, भीकम सिंह बघेल, उमेश तिवारी, मलखान सिंह मीणा, सुरेश विश्वकर्मा, भरत राजपूत, सुरेश पटेल पत्रकार, हेम सिंह राजपूत, रामस्वरूप बरखाने, राकेश राजपूत, रजनीश दुबे, सी पी मिश्रा, प्रदीप तिवारी एवं अन्य क्षेत्रीय रहवासी उपस्थित रहे।

अभी भारत नहीं छोड़ेंगी बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे चुकीं शेख हसीना अभी भारत में ही रहेंगी। उनके बेटे वाजेद जॉय ने जर्मन वेबसाइट को बताया कि हसीना का कहीं और जाने का फिलहाल कोई प्लान नहीं है। उन्होंने किसी देश से राजनीतिक शरण नहीं मांगी है। दूसरी तरफ, बांग्लादेश में हसीना की पार्टी अवामी लीग और उनके सहयोगी दलों से जुड़े करीब 29 नेताओं की हत्या कर दी गई। बांग्लादेशी एक्टर शान्तो खान और उनके पिता सलीम खान को भी भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। सलीम अवामी लीग पार्टी से जुड़े थे। बांग्लादेश में सुरक्षा कारणों के चलते वहां से भारतीय के दूतावास के 190 कर्मचारियों को निकाला गया है। वहीं बांग्लादेश में आंदोलन का नेतृत्व करने वाले स्टूडेंट्स की सिफारिश के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया। शेख हसीना ने 5 अगस्त को बांग्लादेश छोड़ दिया था।

- हसीना का बेटा बोला-वे यहीं रहेंगी, पार्टी के 29 नेताओं की हत्या
- भारतीय दूतावास के 190 कर्मचारी बांग्लादेश से सकुशल लौटे

'कोटे पर कोटा' को लेकर असमंजस में कांग्रेस

- दलित नेताओं के विरोध के बाद पीछे हटती दिख रही पार्टी
- सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय से मुश्किल में फंस गई कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी और एसटी आरक्षण में सब कैटेगरी करने के निर्णय को लेकर कांग्रेस पार्टी में असमंजस की स्थिति देखने को मिल रही है। कोर्ट के इस निर्णय आने के बाद कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व अभी चुप्पी साधे हुए हैं। हालांकि पार्टी के कई नेता व्यक्तिगत रूप में अपना विचार दे रहे हैं। इसी मामले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी नेताओं की बैठक ली। जिसमें खड़गे के अलावा कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश समेत कई वरिष्ठ नेता इस बैठक में शामिल हुए। इसके साथ ही कानूनी जानकार अभिषेक मनु सिंघवी और पार्टी के दलित चेहरे मुकुल वासनिक, कुमारी शैलजा, पीएल पुनिया, उदित राज, राजेश लिलोठिया मौजूद रहे। जानकारी के मुताबिक पार्टी मीटिंग के दौरान ज्यादातर दलित नेता फैसले के खिलाफ नजर आए।

सभी मुख्यमंत्री और प्रदेशध्यक्षों से मुलाकात करेंगे खड़गे

करीब डेढ़ घंटे चली इस बैठक में तय हुआ कि खड़गे पार्टी के मुख्यमंत्री के साथ-साथ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्षों से भी मुलाकात करेंगे। वहीं जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और कांग्रेस सीडब्लूसी के सदस्य अभिषेक सिंघवी ने खड़गे से कोर्ट के निर्णय को लेकर उसके कानूनी पहलुओं पर चर्चा की। हालांकि इस मामले को राजनीतिक रूप में देखा जा रहा है। बैठक के बाद जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव के दौरान ही ओबीसी, एससी और एसटी आरक्षण का दायरा 50 फीसदी से बढ़ाने की मांग की थी। हम उसी पर कायम हैं साथ ही जातिगत जनगणना भी महत्वपूर्ण मुद्दा है।

खुद डटे और बिहारी मूल के लोगों को सुरक्षित भेजा बिहार

- बांग्लादेश हिंसा के बीच 'बिहारी अफसरों' ने किया कमाल
- खुद की परवाह किए बिना 500 लोगों को भेज दिया बिहार

पटना (एजेंसी)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद वहां फंसे सभी बिहारी मूल के लोग सुरक्षित भारत लौट गए हैं। देश वापसी का अभियान भारतीय उच्चायोग के

नेतृत्व में चलाया गया, जिसके प्रमुख प्रणय वर्मा हैं। प्रणय वर्मा खुद बिहार के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, प्रणय वर्मा के सहयोग से 500 से अधिक बिहारियों को (जो पढ़ाई या व्यवसाय के सिलसिले में बांग्लादेश में थे) सकुशल निकाल लिया गया। बताया जा रहा है कि अब सिर्फ उच्चायोग के लगभग 300 अधिकारी और कर्मचारी ही बांग्लादेश में रह गए हैं, जिन्हें केंद्र सरकार के अगले आदेश का इंतजार है। दरअसल, बांग्लादेश में अचानक बने तनावपूर्ण हालातों को देखते हुए भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा और उनकी टीम ने मोर्चा संभाला और भारत सरकार के दिश- निर्देश से देश वापसी अभियान चलाया। इस दौरान बिहारी मूल के अधिकारियों ने भी प्रणय वर्मा के साथ मोर्चा संभाला और सभी भारतीयों की सुरक्षित वापसी में अहम भूमिका निभाई।

मंदिर तोड़े जा रहे, हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा, फिर एकजुट होना होगा

- बांग्लादेश संकट पर बोले योगी आदित्यनाथ, इतिहास की गलतियों से सबक लेने की जरूरत

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश के संकट को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के तमाम पड़ोसी जल रहे हैं। पड़ोसी देशों में मंदिर तोड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को आने वाले संकट से बचाने के लिए एकजुट होने की जरूरत है। इतिहास की गलतियों से सबक लेने की जरूरत है क्योंकि जो इतिहास से सबक नहीं लेता, उसके उज्ज्वल भविष्य पर भी ग्रहण लग जाता है। योगी महंत रामचंद्र दास की मूर्ति अनावरण के मौके पर अयोध्या में बोल रहे थे। योगी ने कहा, आज दुनिया की वर्तमान तस्वीर देख रहे होंगे। कुछ तो हमे इन चीजों देखना पड़ेगा। क्या है इन सबका काम। आज भारत के तमाम पड़ोसी जल रहे हैं। मंदिर तोड़े जा रहे हैं। चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है और तब भी हम इतिहास के उन परतों को ढूंढने का प्रयास नहीं कर रहे हैं, इसलिए हम याद करें, जो समाज गलतियों से सबक नहीं सीखता है, उसके भविष्य पर भी ग्रहण लग जाता है।

सिलेक्शन रद्द होने की जानकारी मीडिया से मिली

पूजा बोलीं-ऑर्डर कॉपी नहीं मिली, यूपीएससी का जवाब-दो दिन में भेज देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व ट्रेनी आईएएस ऑफीसर पूजा खेडकर ने यूपीएससी सिलेक्शन कैंसिल करने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में 5 अगस्त को याचिका लगाई थी, जिस पर 2 दिन बाद आज 7 अगस्त को सुनवाई हुई। कोर्ट में पूजा खेडकर की तरफ से वकील इंदिरा जयसिंह ने कहा कि सिलेक्शन कैंसिल होने की ऑर्डर कॉपी अभी तक पूजा को नहीं दी गई है। पूजा की वकील ने कहा कि सिर्फ एक प्रेस रिलीज देकर उम्मीदवारी रद्द करने की सूचना दी गई है। हमें मीडिया से इसके बारे पता चला था। इस प्रेस रिलीज को रद्द करना चाहिए और ऑर्डर कॉपी देनी चाहिए। बिना कॉपी के हम सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में यूपीएससी के आदेश को चुनौती नहीं दे सकते हैं। इस पर जस्टिस ज्योति सिंह ने यूपीएससी से ऑर्डर कॉपी न देने का कारण पूछा। यूपीएससी की तरफ से वकील नरेश कौशिक ने कहा- पूजा के ऑफिशियल एड्रेस की जानकारी नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने आदेश दिया कि यूपीएससी को पूजा का एड्रेस बताया जाए और इसके बाद यूपीएससी ऑर्डर कॉपी उनके घर भेजे और ई-मेल भी करें। इस मामले में प्रेस रिलीज जारी कर औपचारिक सूचना दी गई थी।

गडकरी का आश्वासन,एक महीने में मिलेगी वेस्टर्न बायपास को मंजूरी

भोपाल (नप्र)। रायरू निरावली से पनिहार एबी रोड तक तैयार होने वाले वेस्टर्न बायपास को अगले एक महीने में संबंधित एनओसी और मंजूरी मिल जाएंगी। ऐसा आश्वासन

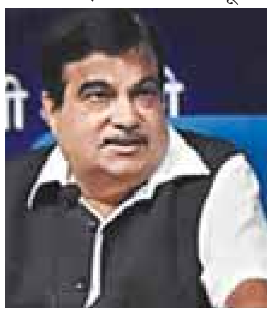

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह को दिया है। मंगलवार को कुशवाह ने दिल्ली में गडकरी से मुलाकात की। गडकरी ने कहा कि 1004 करोड़ रुपए की लागत के इस प्रोजेक्ट पर बहुत जल्दी काम शुरू कराया जाएगा। सांसद कुशवाह ने केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी पत्र भेजा है। उन्होंने आग्रह किया है कि बीएसएनएल की 5जी सेवा की शुरुआत ग्वालियर से की जाए। कुशवाह ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात कर आग्रह किया कि डिफेंस एयर-क्राफ्ट मेंटेनेंस सेंटर को ग्वालियर में स्थापित किया जाए।

भोपाल में चार दुकानें सील

अशोका गार्डन में बेसमेंट में बनाई दुकानें; कोचिंग क्लॉस की भी जांच

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अशोका गार्डन स्थित स्वदेश नगर में गोविंदपुरा एसडीएम रवीश श्रीवास्तव ने चार दुकानें सील कर दी। ये दुकानें बेसमेंट में पार्किंग की जगह अवैध तरीके से बनाई गई थी। ऐसे में दुकानों के अंदर पानी भरने का खतरा भी है। 80 फीट रोड पर वरुण टॉवर है। इसके बेसमेंट में पार्किंग के स्थान पर अवैध तरीके से दुकानें बनाई गई थीं। इन्हीं दुकानों को सील किया गया है। एसडीएम श्रीवास्तव ने बताया कि टीम ने मौके पर जाकर जांच की तो वहां दुकानें संचालित होना सामने आया। इसलिए टीम ने सील करने की कार्रवाई की है। इलाके की अन्य बिल्डिंगों की जांच भी की जा रही है। जहां भी बेसमेंट में दुकानें संचालित मिली, वहां कार्रवाई की जाएगी।

क्षतिग्रस्त सड़कों को चिहिन्त कर एक सप्ताह के भीतर मरम्मत कार्य सुनिश्चित करें : लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह

● बारिश में लोक निर्माण विभाग की क्षतिग्रस्त सड़कों की समीक्षा बैठक

भोपाल (नप्र)। लोकनिर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने मंत्रालय में बारिश में क्षतिग्रस्त सड़कों की समीक्षा कर, एक सप्ताह का अभियान चलाकर सड़कों, शोल्डरों एवं पुल-पुलियाओं की मरम्मत करने के निर्देश दिये। उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों को शामिल होकर क्षतिग्रस्त सड़कों को चिहिन्त कर एक सप्ताह के भीतर मरम्मत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सिंह ने बैठक में यह भी निर्देश दिये कि मरम्मत उपरांत समस्त यंत्रियों से इस आशय का प्रमाण पत्र भी लिया जाये कि उनके क्षेत्र में अब कोई मरम्मत योग्य क्षतिग्रस्त सड़क शेष नहीं है। समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी.गुप्ता, प्रबंध संचालक सड़क विकास निगम, प्रमुख अभियंता एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

केरवा डैम छलका, तेज बारिश होते ही खुलेंगे गेट

अब सिर्फ 2 फीट खाली है डैम; भदभदा, कोलार-कलियासोत के गेट पहले ही खुल चुके

भोपाल (नप्र)। तेज बारिश से भोपाल का केरवा डैम छलक उठा है। इसके सभी 8 गेट ऑटोमैटिक हैं। हालांकि, यह 2 फीट खाली है लेकिन गेट के ऊपर से पानी बहने लगा है। जैसे ही तेज बारिश होगी, गेट खुल जाएंगे। भदभदा, कोलार और कलियासोत डैम के गेट पहले ही खुल गए हैं। अब सिर्फ केरवा के गेट खुलने का इंतजार है। केरवा डैम में पानी का फुल टैंक लेवल 1673 फीट है। इसमें अब तक 1670.83 फीट जमा है। डैम के कैचमेंट एरिया में दो दिन से बारिश नहीं हुई है। इस कारण यह पहले नहीं भर पाया है, जबकि पिछले साल भदभदा डैम से पहले भर गया था। मौसम विभाग ने अगले एक सप्ताह तक भोपाल और सीहोर में तेज बारिश होने का अलर्ट जारी नहीं किया है। ऐसे में केरवा डैम के गेट खुलने की संभावना कम ही है। केरवा डैम में पानी का लेवल लगातार बढ़ रहा है।

इस बार 106 प्रतिशत बारिश का अनुमान

भोपाल में इस साल सामान्य से 106 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान है। हालांकि, डेढ़ महीने में जितनी बारिश हुई है, उससे लगता है कि अबकी बार 50 प्रतिशत तक बारिश ज्यादा हो सकती है। आंकड़ा 45 इंच तक पहुंच सकता है। पिछली बार 18 प्रतिशत कम यानी, 82 प्रतिशत (30.9 इंच) बारिश हुई थी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अबकी बार भोपाल में 23 जून को मानसून एंटर हुआ था। तभी से तेज बारिश हो रही है।

भोपाल में 32 इंच से ज्यादा बारिश हुई

भोपाल की सामान्य बारिश 37.6 इंच है। इसके मुकाबले अब तक 32.65 इंच पानी गिर चुका है। यानी, सीजन की 87 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। यह पिछले साल से ज्यादा है। पिछले साल पूरे सीजन में 30.9 इंच पानी ही गिरा था।

अगस्त के 5 दिन बारिश, इस महीने 14 दिन गिरता है पानी

अगस्त के महीने में भोपाल में एवरेज 14 दिन बारिश होने का ट्रेंड है। इस महीने 13 इंच पानी बरसता है। इस बार शुरुआती 4 दिन तक तेज बारिश हुई है, जबकि पांचवें दिन हल्की बारिश हुई। अगस्त के कोटे की अब तक आधी बारिश हो चुकी है।

शोध कार्य को बढ़ावा दें, शैक्षणिक गुणवत्ता के स्तर को उत्कृष्ट करें : उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

गाँधी मेडिकल कॉलेज भोपाल की सामान्य सभा की बैठक में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि मेडिकल कॉलेज में शोध कार्यों को बढ़ावा देने के प्रयास किए जायें। शोध कार्य के लिए आवश्यक फंड की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और स्वास्थ्य संबंधी नवीन चुनौतियों का सामना करने के लिए शोध कार्य अहम है। उन्होंने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदाय के लिए सदैव प्रयासरत रहने के निर्देश दिये। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मेडिकल कॉलेज से शिक्षा प्राप्त चिकित्सक ऐसे हों कि उनकी प्रतिभा देश-विदेश में स्थापित हो। उप-मुख्यमंत्री गाँधी मेडिकल कॉलेज भोपाल की सामान्य सभा की बैठक में शामिल हुए।

सहजता से एवं समय पर जाँच सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये

उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गाँधी मेडिकल कॉलेज स्वशासी समिति भोपाल के विगत वित्तीय वर्ष (2023-24) के आय-व्यय की समीक्षा की। उन्होंने छात्रावासों के उन्नयन और आवश्यकतानुसार नवनिर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिये। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक जाँच सुविधाओं के लिए बजट में आवश्यक प्रावधान किए गये हैं। नागरिकों को सहजता से एवं समय पर जाँच सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।

कैथलैब शिफ्टिंग कार्य में हुए विलंब पर नाराजगी

उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हमीदिया चिकित्सालय में कैथलैब शिफ्टिंग कार्य में हुए विलंब पर नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिये कि अविलंब शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण किया जाये तथा मरीज़ों को असुविधा न हो यह सुनिश्चित करें। संबंधित विभागीय अधिकारी ने बताया कि समस्त औपचारिकताएँ एवं सक्षम अनुमतियाँ (जिनमें एईआरबी की अनुमति भी शामिल है) प्राप्त कर ली गई हैं, शिफ्टिंग कार्य 3 माह के अंदर पूर्ण कर लिया जायेगा। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने परिसर में प्रगतिरत एवं प्रस्तावित नवीन ओपीडी ब्लॉक, मल्टी लेवल पार्किंग, गर्ल्स हॉस्टल निर्माण की प्रगति की समीक्षा की।

कैंसर उपचार के लिए अत्याधुनिक लायनैक मशीन हमीदिया में शीघ्र होगी स्थापित

उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि हमीदिया हॉस्पिटल प्रदेश का महत्वपूर्ण चिकित्सालय है यहाँ पर पूरे प्रदेश से मरीज़ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आते हैं, इसलिए आवश्यक है कि यहाँ अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि हमीदिया हॉस्पिटल में कैंसर के उपचार के लिए अत्याधुनिक लायनैक मशीन स्वीकृत की गयी है। इस मशीन के समयबद्ध इंस्टालेशन के लिए आवश्यक कार्य समय से पूर्ण कर लिए जायें। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हमीदिया चिकित्सालय में सहायक चिकित्सकीय एवं अन्य सहयोगी स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। समस्त उपस्थितों ने अंगदान करने और अन्य लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करने की शपथ ली। उल्लेखनीय है विगत वित्तीय वर्ष (2023-24) में गाँधी मेडिकल कॉलेज स्वशासी समिति को 28 करोड़ 30 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई और 28 करोड़ 97 लाख रुपये का व्यय किया गया है। समिति द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष (2024-25) में 29 करोड़ 7 लाख की प्राप्तियों का आंकलन किया गया है और 30 करोड़ 65 लाख के व्यय के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। विधायक श्री भगवान दास सबनानी, महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय, कमिश्नर भोपाल श्री पवन कुमार शर्मा, अपर आयुक्त चिकित्सा शिक्षा डॉ पंकज जैन, डीन गाँधी मेडिकल कॉलेज भोपाल डॉ कविता सिंह, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ अरुण श्रीवास्तव, अधीक्षक हमीदिया हॉस्पिटल डॉ सुनीत टंडन सहित स्वशासी समिति के सदस्य, मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, विभागीय अधिकारी निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भोपाल मीणा समाज ने किया रामनिवास रावत का सम्मान

● *मंच से उतरकर लोगों के बीच पहुंचे मंत्री, फूलों की वर्षा कर किया स्वागत*

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश मीणा समाज ने वन एवं पर्यावरण मंत्री रामनिवास रावत का स्वागत किया। इस मौके पर फॉरेस्ट गेस्ट हाउस चार इमली से दोपहर 1.40 बजे वाहन रैली निकाली गई जो दोपहर 3 बजे मीणा भवन के छात्रावास पर पहुंची। रैली में लगभग 500 से अधिक वाहनों में समाज के सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम स्थल पर सामाजिक बंधुओं द्वारा जिलावार मंत्री रावत का स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री रावत ने मंच से उतरकर कार्यक्रम स्थल में बैठे सामाजिक बंधुओं पर पुष्प वर्षा की। उन्होंने कहा कि सही मायने में मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाने का पूरा श्रेय संपूर्ण समाज को जाता है। आपने मुझे सम्मान के लिए बुलाया है परंतु मैं आपका सम्मान भी करना चाहता हूं। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला न्यायाधीश लालाराम मीणा ने की। मंच संचालन प्रदेश युवाध्यक्ष भीम सिंह मीणा द्वारा किया गया। वहीं कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में रायसेन के जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत सिंह मीणा शामिल हुए। इस समारोह में मुरैना, श्योपुर, मंदसौर, नीमच, शिवपुरी, गुना, उज्जैन, इंदौर, देवास, खरगोन, खंडवा, हरदा, नर्दापुरम, सीहोर, रायसेन, विदिशा, सागर तथा भोपाल जिले से 2000 से अधिक समाज बंधु पधारे थे। प्रदेश अध्यक्ष लालाराम मीणा द्वारा उपस्थित होने वाले एवं कार्यक्रम में सहयोग देने वाले प्रत्येक सामाजिक बंधु का हृदय से आभार व्यक्त किया एवं जिन्हें भी असुविधा हुई है उसके लिए क्षमा मांगी गई।

कार्यक्रम में 2000 से अधिक समाज जन शामिल

कार्यक्रम में अमर सिंह मीणा (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हरदा), भगवान सिंह मीणा (प्रदेश उपाध्यक्ष), संतोष मीणा (प्रदेश संगठन महामंत्री), मान सिंह रावत (प्रदेश महामंत्री), डॉक्टर बाबूलाल रावत, हरि सिंह मीणा, प्रीतम सिंह, लीलेंद्र मारण (प्रदेश कोषाध्यक्ष), गुलाब सिंह मीणा (प्रदेश उपकोषाध्यक्ष), हृदय मोहन मीणा(प्रदेश संगठन मंत्री), मोती सिंह मीणा(राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), डॉ. रवि वर्मा, यशपाल सिंह रावत (संगठन के जिला अध्यक्ष शिवपुरी), आरसी वर्मा (जिला अध्यक्ष ग्वालियर), सत्यनारायण मीणा (जिला अध्यक्ष इंदौर), संतोष मीणा (जिला अध्यक्ष खंडवा), शिव गोपाल मीणा (जिला अध्यक्ष हरदा), दीवान सिंह मीणा (जिला अध्यक्ष रायसेन), दुर्गा प्रसाद मीणा (जिला अध्यक्ष भोजपुर), वीरेंद्र मीणा (जिला अध्यक्ष भोपाल), कमल सिंह मीणा (जिला अध्यक्ष भोपाल ग्रामीण), रमेश मीणा (जबलपुर जिला अध्यक्ष), प्रहलाद सिंह रावत (जिला अध्यक्ष मंदसौर), शीला मीणा (जिला अध्यक्ष राजगढ़), ब्रजमोहन मीणा, आनंद राम मीणा (जिला अध्यक्ष खरगोन), नंदलाल मीणा (देवास), मलखान सिंह मीणा(प्रदेश उपाध्यक्ष), गोपाल सिंह मीणा (प्रदेश मंत्री), महेंद्र सिंह मीणा, अमृत मीणा, नेपाल मीणा, भगवान सिंह मीणा, लखन मीणा, नविता मीना, अशोक मीणा, नवल सिंह मीणा, दिनेश मीणा, मनोहर मीणा, संदीप मीणा, ज्योति मीणा, दीपा मीणा सहित अन्य मीणा बंधु शामिल हुए।

आरजीपीवी भोपाल में स्थाईकर्मियों की हड़ताल स्थगित

रजिस्ट्रार ने जूस पिलाकर तुड़वाया अनशन, 29 तक चार मांगें पूरी करने का आश्वासन

भोपाल (नप्र)। स्थाईकर्मी और दैनिक वेतन भोगी (दैवेभो) कर्मचारियों को नियमित करने सहित अन्य मांगों को लेकर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मंगलवार से शुरू हुई बेमुद्दत भूख हड़ताल बुधवार को स्थगित हो गई। विवि के रजिस्ट्रार डॉ. मोहन सेन ने मप्र कर्मचारी मंच की आरजीपीवी शाखा के अध्यक्ष अमर अहिरे को रजिस्ट्रार डॉ. सेन ने

जूस पिलाकर हड़ताल समाप्त कराई। रजिस्ट्रार ने भरोसा दिलाया कि उनकी चार मांगें 29 अगस्त तक पूरी कर दी जाएंगी। कर्मचारियों और रजिस्ट्रार के बीच हुई चर्चा में आउटसोर्स प्रथा समाप्त करने, दैवेभो को अर्द्धकुशल और कुशल श्रमिक का दर्जा देने, स्थाईकर्मियों-दैवेभो को नियमित करने के लिए मंत्रालय से सहमति लेकर आदेश जारी करने और वर्ष 2016 के पहले से नियुक्त दैवेभो को स्थाईकर्मी बनाने पर सहमति बनी है।

गुफा मंदिर भोपाल में हिंडोला उत्सव

महंत रामप्रवेश ने लड्डूगोपाल को झूले में किया विराजमान, गोपाल सहस्त्रनाम का हुआ पाठ

भोपाल (नप्र)। सावन माह की हरियाली तीज बुधवार को शहर के मंदिरों में धूमधाम से मनाई जा रही है। शुभ संयोगों के बीच सुहागिन महिलाओं और लड़कियों ने व्रत रख कर शिव पार्वती का पूजन किया। इस अवसर पर रामानन्द आश्रम गुफ़ा मंदिर धाम भोपाल में भगवान लड्डू गोपाल को झूले में विराजमान किया गया। महंत रामप्रवेश दास महाराज के सानिध्य में संतों और ब्राह्मणों द्वारा वेद मंत्रों के साथ गोपाल सहस्त्रनाम का पाठ किया गया। इस दौरान भगवान के झूले को हरे पत्तों और फूल मालाओं से सजाया गया। इसके बाद झूला उत्सव मनाया। कार्यक्रम में भगवान के नाम का संकीर्तन कर आरती और प्रसादी वितरण किया गया।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय

फर्स्ट, सेकंड, थर्ड ईयर के रिजल्ट अब तक घोषित नहीं, प्रमोट नहीं हो पा रहे छात्र

भोपाल (नप्र)। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) ने अब तक फर्स्ट ईयर, सेकंड ईयर के परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किए हैं। थर्ड ईयर में भी अब तक केवल बीएससी का ही रिजल्ट जारी किया गया है। रिजल्ट में देरी होने की वजह से अगली कक्षाओं में छात्रों को प्रमोट करने में कॉलेजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब उच्च शिक्षा विभाग ने यूजी सेकंड, थर्ड और फोर्थ ईयर व पीजी थर्ड सेमेस्टर में प्रवेश नवीनीकरण के लिए प्रमोट करने और लिंक इनिशिएट करने के लिए 15 दिन की बढ़ोतरी कर दी है। जब तक लिंक इनिशिएट नहीं होगा, तब तक उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जा सकेगा। कक्षा में छात्रों की उपस्थिति 20 प्रतिशत... रिजल्ट में लेटलतीफी की वजह से कक्षाओं में भी छात्रों की उपस्थिति घट गई है। शहर के सरकारी कॉलेजों में पढ़ाने वाले प्रोफेसर्स के मुताबिक मुश्किल से 20 फीसदी विद्यार्थी ही कक्षा में पहुंच रहे हैं। इन्हें कॉलेजों में बुलाया जा रहा है तब भी वे नहीं पहुंच रहे हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि वे कहते हैं कि जब रिजल्ट ही घोषित नहीं हुआ है तो वे प्रोविजनली आकर भी क्या करेंगे।

फोर्थ ईयर की पढ़ाई ही शुरू नहीं हुई: इधर, फोर्थ ईयर की तो अब तक पढ़ाई ही शुरू नहीं हो सकी है। इसका केवल बीकॉम थर्ड ईयर एनईपी का ही रिजल्ट घोषित किया गया है। छात्र अब तक प्रमोट भी नहीं हो सके हैं। गौरतलब है कि अगस्त का दूसरा सप्ताह शुरू हो गया है और अब तक विधिवत पढ़ाई भी शुरू नहीं हो सकी है। फोर्थ ईयर में ऑनर्स विथ रिसर्च है। ऐसे में छात्रों को रिसर्च के लिए भी कम समय मिल सकेगा और यह एक तरह से खानापूर्ति जैसा होगा। इस वजह से वर्तमान सत्र की पढ़ाई को कवर करने में भी विद्यार्थियों को दिक्कत आएगी। प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में भी कई कक्षाओं में ऐसी स्थिति बनी हुई है। इधर, बीयू के रजिस्ट्रार आईके मंसूरी को जब कॉल लगाया गया तो उन्हों रिसीव नहीं किया।

कॉलेजों में भी हो रही दिक्कत

कॉलेजों में भी छात्र परीक्षा परिणाम को लेकर पूछताछ कर रहे हैं। प्रोफेसर्स ने बताया कि विवि द्वारा यही कहा जा रहा है कि परीक्षा परिणाम जल्द घोषित किया जाएगा। लेकिन, अब तक महत्वपूर्ण और बड़े पाठ्यक्रमों के रिजल्ट रुके हुए हैं। इसका सीधे तौर पर प्रभाव अगली कक्षाओं पर पड़ रहा है। छात्रों की उपस्थिति बहुत कम है। उच्च शिक्षा विभाग की बैठकों में भी परीक्षा परिणाम समय से घोषित करने के निर्देश दिए जाते हैं लेकिन इसका भी पालन नहीं हो रहा।

रिजल्ट पर तेजी से काम चल रहा है। अगले एक सप्ताह में सभी महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों के रिजल्ट घोषित कर दिए जाएंगे।

- एसके जैन, बीयू, कुलगुरु

संपादकीय

उफ् वो सौ ग्राम..!

यह एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों के लिए कल्पनातीत सा है कि देश की एक जानी मानी रेसलर विनेश फोगाट के स्वर्णिम सपनों पर महज सौ ग्राम इतने भारी पड़ जाएंगे कि ओलिपिंक में उसके किए कराए पर पानी फेर देंगे। देश में इस पर भी राजनीति शुरू हो गई है और मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। उधर सरकार यह जताने की पूरी कोशिश कर रही है कि वह हर हाल में विनेश के साथ है। इस मुद्दे पर संसद में भी हंगामा हुआ और देश के खेल मंत्री को बयान देना पड़ा। यह विवाद अभी भी थमा नहीं है। जब सारा देश इस खबर के कारण उद्वेलित हो तब विनेश के दिल पर क्या गुजर रही होगी, इसकी सिर्फ कल्पना की जा सकती है। इसका एक कारण यह भी है समूचा भारत देश बुधवार को महिला कुश्ती में विनेश के स्वर्ण पदक जीतने की आस लगाए बैठा था। जिस तरह होनहार विनेश ने अब तक के अपने सारे मुकाबलों में जिस तरह प्रतिद्वंद्वियों को धूल चटाई थी, उससे यह भरोसा बनने लगा था कि इस ओलिपिंक में पहली बार भारत के खाते में स्वर्ण पदक आने वाला है। लोग उस सुनहरी खबर पर आंख- कान लगाए बैठे थे, लेकिन जो सूचना मिली, उससे पूरे देश का दिल बैठ गया। फाइनल मुकाबले से पहले विनेश का वजन निर्धारित 50 किलो, जिस वर्ग में विनेश खेलती है, से 100 ग्राम ज्यादा पाया गया। इसलिए अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक संघ (आईओसी) ने विनेश को डिसक्वालिफाई कर दिया। यही नहीं विनेश की जगह उसके द्वारा पराजित खिलाड़ी को फाइनल में मौका दे दिया। इसे कहते हैं दुर्भाग्य। सोना मिलना तो दूर जो मिलना था, वो भी हाथ से छिन गया। इस हिला देने वाली खबर के बाद यह कहा जा रहा है कि भारतीय कुश्ती महासंघ व भारतीय ओलिम्पिक महासंघ इस फैसले के प्रति विरोध जता रहा है। जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है, वगैरह। विनेश के पिता और प्रशंसकों को कुछ साजिश भी नजर आ रही है। लेकिन हकीकत यह है कि आईओसी के फैसले अंतिम होते हैं, उसमें कोई बदलाव बहुत विरल होता है। उसके फैसले के खिलाफ कोई अपील नहीं होती। लिहाजा विनेश को कोई राहत मिलने की सूरत नहीं दिख रही। वैसे विनेश के बढ़ते वजन को लेकर चिंता सेमीफाइनल में ही हो गई थी। बताया जाता है कि उसके कोच और न्यूट्रीशियन ने विनेश का वजन कम कराने की पूरी कोशिश की। रात भर खुद विनेश भी इसके लिए जी तोड़ प्रयास करती रही। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। विनेश के वजन को लेकर सावधानी पहले ही बरती जानी चाहिए थी। कहीं न कहीं कोई चूक तो हुई है, जिसका खमियाजा विनेश को भुगतना पड़ा है। दुर्भाग्य से विनेश अब बिना पदक के देश लौटेंगी। विनेश के चाचा और मशहूर कोच महावीर फोगाट ने कहा कि अब इसमें कुछ नहीं हो सकता है। हालांकि विनेश अब 2028 के लिए वो कोशिश करेगी और फिर जोर लगाएंगी। हालांकि अब यह आगे की बात है। तब तक विनेश की उम्र भी चार साल बढ़ चुकी होगी। इसी संदर्भ में पीएम मोदी ने ट्वीट किया, विनेश आप चैंपियनों की चैंपियन हैं। आज के सेटबैक ने दुखी किया है। काश मैं जिस पीड़ा को अनुभव कर रहा हूं उसे शब्दों में कह पाता। इस घड़ी में हम आपके साथ खड़े हैं। हालांकि विपक्ष ने मोदी पर यह कहकर तंज कसा है कि जब विनेश और दूसरे पहलवान अपनी पीड़ा जताने सड़कों पर उतरे थे, तब उनकी यह सहानुभूति कहां थी? लेकिन विनेश के साथ जो हुआ, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखदायक है। देश उनके साथ है।

खेल परिदृश्य

सुसंस्कृति परिहार

लेखिका स्तंभकार हैं।

विनेश फोगाट की खबर देश को रुला गई

यह घटना विनेश के लिए ही नहीं समूचे देश और उन सब खेल प्रेमियों के लिए दिल दुखाने वाली है जो मेहनत कर देश के लिए जी-जान से खेलते हैं। उनका साथ यदि भारत सरकार ना दे, उनकी बात ना सुने फिर भी देश के लिए खेलने वाली विनेश बधाई की पात्र है।

जैसे ही देश में आज बारह बजे के लगभग विनेश फोगाट के फाइनल से बाहर होने की ख़बर आई पूरे देश में मातम छा गया। वैसे भी 5 अगस्त से बांग्लादेश में जल रही आग को देखकर सबका मन दुखित है। विनेश का नाम सुर्खियों में तब आया था जब चरखी दादरी हरियाणा की इस बाला ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पहली महिला भारतीय पहलवान बनी थीं। वे वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर विनेस टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली पहलवान थीं। अभी-अभी मंगलवार को ही महिला 50 किलोग्राम भारवर्ग कुश्ती स्पर्धा के फाइनल में पहुंच कर उन्होंने इतिहास रचा था।

पेरिस ओलंपिक में आज रात (बुधवार) को उनका मुकाबला अमेरिका की सारा हिल्डब्रांड से होना था। ओवर वेट होने की वजह से विनेश को ओलंपिक से बाहर कर दिया। वो 50 किलो भारवर्ग फाइनल मुकाबले में खेलने नहीं उतर पाएंगी। आज़ उनका वजन सुबह 2 किलो ग्राम अधिक था। बता दें कि फाइनल में पहुंचने के बाद विनेश फोगाट का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वो कोच के साथ अभ्यास कर रही थीं। बताया जा रहा है कि विनेश पूरी रात सोयी नहीं थीं और सुबह उठकर पता चला कि उनका वजन तय सीमा से करीब 2 किलोग्राम अधिक है। वजन को नियंत्रण में लाने के लिए उन्होंने खाना नहीं खाया। पानी भी कम पिया लेकिन तब भी उनका वजन 100 ग्राम ऊपर पाया गया। विनेश फोगाट के खेमे की ओर से वजन को नियंत्रण में लाने के लिए कुछ घंटों की मांग की गई थी लेकिन इस मांग को ठुकरा दिया गया, खैर विनेश अब ओलंपिक्स से बाहर हो गई हैं, जिससे हम भारतवासियों को बहुत बड़ा झटका लगा है।

फाइनल से वंचित होने के ही साथ साथ यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के अनुसार नियम कहता है कि यदि कोई एथलीट वजन करने की प्रक्रिया के दोनों प्रयासों में तय सीमा से अधिक वजन के साथ पाया जाता है। तो उस एथलीट को ना तो कोई मेडल मिलेगा, कम्पटीशन से बाहर कर दिया जाएगा और ना ही उन्हें कोई रैंक दी जाएगी।

स्पष्ट शब्दों में कहें तो डिसक्वालीफाई होने के बाद विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक्स 2024 में अब कोई मेडल नहीं जीत पाएंगी यानि फाइनल में पहुंचने के बावजूद विनेश को बिना मेडल घर वापस लौटना पड़ेगा। फाइनल में पहुंचने के बावजूद गोल्ड मिलना तो दूर की बात, अब उन्हें सिल्वर और ब्रॉन्ज से भी हाथ धोना पड़ गया है।

इस दुखद निर्णय से विनेश बहुत परेशान हैं उनके बेहोश होने की खबर सामने आई है। विनेश फोगाट को पेरिस के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के मुताबिक उनको आईवी फ्लूइड देने की सिफारिश की गई है। विनेश डिहाइड्रेशन के कारण अस्पताल में भर्ती की गई थी। जो अपडेट सामने आया है, उसके मुताबिक विनेश अभी ओलंपिक गांव के पॉलीक्लिनिक में हैं। वे ठीक और स्थिर हैं। अब आराम कर रही हैं

ज्ञातव्य हो विनेश फोगाट ने अपना वजन 53 किलो से घटाकर 50 किलो भारवर्ग में हिस्सा लिया था। किसी भी खिलाड़ी के वजन की जानकारी रखना उसके कोच का काम होता है। कोच की जिम्मेदारी होती है कि वो अपने खिलाड़ी को हर उस चीज से दूर रखे जिससे वजह बढ़ने की आशंका हो। कोच को न्यूट्रिशियन के साथ मिलकर खाने पीने का ध्यान रखना होता है और समय-समय पर उनके भार का ट्रैक रखना होता है। विनेश फोगाट अगर भार की वजह से ओलंपिक से बाहर हुई हैं तो यह जिम्मेदारी उनके कोच की है। यह जानकारी न्यूज 18 से बात करते हुए डॉ. सुशील राजपूत (नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन के चेयरमैन और कुश्ती कोच) ने दी है।

इस बीच देश ने उनके फाईनल में पहुंचने पर जोड़ो खुशियां मनाई थी उस पर विराम लग गया है किंतु विनेश ने जिस जद्दोजहद से स्वर्ण लाने का उपक्रम किया था वह काबिले तारीफ है। आपको याद होगा महिला पहलवानों ने तब कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह कोच पर महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न, अभद्रता, क्षेत्रवाद जैसे गंभीर आरोप लगाए थे और अनशन पर बैठी थीं उस पर कोई कार्रवाई ना होते देखे उन्होंने संसद के बाहर यौन हिंसा की शिकायत पर भारत सरकार की अवज्ञा हेतु जो प्रदर्शन किया था उसमें दिल्ली पुलिस ने इनके साथ जिस तरह की मारपीट की। उसके बावजूद विनेश ने देश के लिए ना केवल वजन घटाया बल्कि सब कुछ अपमान भूलकर दिलोजान ओलम्पिक में खेला। इस ग़मनाक खबर से उनकी मित्र साक्षी मलिक के ये शब्द 'मेरा दिल घबराया हुआ और परेशान है।' उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि विनेश ने जो किया है वह कल्पना से परे है। यह शायद इस ओलंपिक में किसी भारतीय एथलीट के साथ हुई सबसे विनाशकारी घटना है।

यकीनन यह घटना विनेश के लिए ही नहीं समूचे देश और उन सब खेल प्रेमियों के लिए दिल दुखाने वाली है जो मेहनत कर देश के लिए जी-जान से खेलते हैं। उनका साथ यदि भारत सरकार ना दे, उनकी बात ना सुने फिर भी देश के लिए खेलने वाली विनेश बधाई की बात है। खैरियत है प्रधानमंत्री जी ने इस दुखद निर्णय पर कम से कम खेद व्यक्त कर दिया है। विनेश घबराओ नहीं - आज अंधियारा है कल सुबह होगी। तुम्हारे देश प्रेम और मेहनत को सलाम।

सामयिक

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

निरंकुशता के कारण हसीना का निष्कासन

बांगलादेश में जनभावना को दबाने एवं अनसूना करने से पनपे विद्रोह, आक्रोश एवं विरोध की निष्पत्ति है शेख हसीना सरकार का पतन। लम्बे समय से चला आ रहा आरक्षण विरोधी आंदोलन का आक्रोश उग्रतम होता गया, मगर इस आक्रोश की बुनियाद सात माह पूर्व हुए चुनाव में अनियमितताओं के बाद ही पड़ गई थी। हाल के दिनों में व्यापक पैमाने पर हुए हिंसक प्रदर्शनों ने शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद त्यागकर देश छोड़ने को मजबूर कर दिया। पिछले करीब तीन सप्ताह में हुई आरक्षण विरोधी हिंसा में तीन सौ से अधिक लोगों की जान चली गई। दरअसल, इस संकट की मूल वजह एक लोकतांत्रिक नेतृत्व का तानाशाह एवं निरंकुश बनना बड़ा कारण रहा। जनभावनाओं को कुचला जाना एवं अनसूना करने के कारण ही हसीना आनन-फानन देश छोड़कर भारत आने के लिए विवश होना पड़ा। उससे यही पता चलता है कि हालात किस कदर उनके खिलाफ हो गए थे। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि उनका इस्तीफा मांग रहे बगावती प्रदर्शनकारियों ने उनके सरकारी आवास में घुसकर तो तोड़फोड़ की ही, उनके पिता एवं बांग्लादेश के राष्ट्रपिता कहे जाने वाले शेख मुजीब की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के साथ उनके नाम पर बने एक संग्रहालय को भी जला दिया। बांग्लादेश बेहाल हो गया, हिंसक एवं अराजक घटनाएं कहर बन कर हसीना के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजा रही थी। जैसी आशंका थी, शेख हसीना के पलायन करते ही सेना ने सत्ता संभाल ली और मिली-जुली अंतरिम सरकार बनाने की घोषणा की। शायद सेना इसकी तैयारी पहले से कर रही थी। भारतीय उपमहाद्वीप के श्रीलंका, नेपाल के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति भारत सरकार को सतर्क एवं सावधान रहने के साथ अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है।

जब-जब जिन-जिन देशों में जनता की आवाज को दबाया गया, एक विस्फोटक स्थिति बनी, क्रांति का शंखनाद हुआ। मान्य सिद्धान्त है कि आदर्श ऊपर से आते हैं, क्रांति नीचे से होती है। बांग्लादेश में क्रांति एवं विद्रोह का कारण भी यही स्थिति बना कि ऊपर से आदर्श की स्थितियों पर धुंधलका छाने लगा तो क्रांति नीचे से होने लगी, बांग्लादेश हिंसा की आग में झुलसने लगा, आगजनी, तोड़फोड, हिंसक प्रदर्शनों में सैकड़ों लोग मारे गये, सरकारी सम्पत्ति का भारी नुकसान हुआ। वास्तव में लगातार चार बार प्रधानमंत्री बनने वाली शेख हसीना ने जनाक्रोश एवं जनता के विद्रोह को हल्के में लिया। वास्तव में हसीना लगातार विस्फोटक होती स्थितियों का सावधानी से आकलन नहीं कर पायी। आरक्षण आंदोलन को दबाने के लिये की गई सख्ती ने आग में घी का काम किया। जिससे बांग्लादेश के जनमानस में गहरे तक यह भाव एवं घाव पैदा हुआ कि उनकी आकांक्षाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

चूंकि शेख हसीना ने अपने लंबे शासनकाल में बांग्लादेश को स्थिरता प्रदान की और उसे आगे बढ़ाया, इसलिए उनकी सत्ता को कोई खतरा नहीं दिख रहा था, लेकिन कुछ समय पहले आरक्षण के खिलाफ छात्रों की ओर से शुरू हुआ आंदोलन उनके लिए मुसीबत बन गया। इस आंदोलन को शीघ्र ही शेख हसीना के सभी विरोधियों और साथ ही ऐसे कट्टरपंथी संगठनों ने भी समर्थन दे दिया, जो पाकिस्तान की कठपुतली माने जाते हैं। इसके चलते आरक्षण विरोधी आंदोलन सत्ता परिवर्तन के हिंसक अभियान में बदल गया। निश्चित ही पाक परस्त राजनीतिक दलों ने इस आक्रोश को अपने लिये सत्ता का रास्ता बनाने में इस्तेमाल किया, लेकिन इस संकट को शह देने में कई विदेशी ताकतें भी पीछे नहीं रही। शेख हसीना लगातार चौथी बार सत्ता में तो आई, लेकिन विपक्षी दल जनता में यह संदेश देने में कामयाब रहे कि चुनावों में धांधली हुई है। इस तरह चुनावों के संदिग्ध तौर-तरीकों ने शेख हसीना की जीत को धूमिल कर दिया। जिसका अंतर्राष्ट्रीय जगत में भी अच्छा संदेश नहीं गया। तभी पिछले महीनों में अपनी सरकार के लिये अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने हेतु शेख हसीना ने भारत व चीन की यात्रा की थी। हालांकि, इस दौरान देश में स्थितियां उनके अनुकूल नहीं थी। बीजिंग और नई दिल्ली के बीच संतुलन साधने की शेख हसीना की नीति से चीन भी उनसे रुष्ट था और इसी कारण उन्हें हाल की अपनी चीन यात्रा बीच में छोड़कर लौटना पड़ा था। इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं।

हालांकि, शेख हसीना के खिलाफ उपजे आक्रोश के मूल में तात्कालिक कारण अतार्किक एवं असंगत आरक्षण ही रहा, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल व उनके आनुषंगिक संगठन सरकार को उखाड़ने के लिये बाकायदा मुहिम चलाये हुए थे। दरअसल, वर्ष 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान के दमनकारी शासन से आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की तीसरी पीढ़ी के रिश्तेदारों के लिये उच्च सरकारी पदों वाली नौकरियों में तीस प्रतिशत आरक्षण का विरोध छात्रों ने किया। उनका तर्क था कि उनकी कई पीढ़ियां आरक्षण का लाभ उठा चुकी हैं, फलतः बेरोजगारों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। लेकिन इस आंदोलन को हसीना सरकार ढंग से संभाल नहीं पायी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया था, लेकिन सरकार इस संदेश को जनता में सही ढंग से नहीं पहुंचा सकी। फिर छात्र नेताओं की गिरफ्तारी ने आंदोलन को उग्र बना दिया। जनाक्रोश के चरम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आक्रामक भीड़ ने मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व करने वाले 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति तक को तोड़ दिया। निस्संदेह, सत्ता से चिपके रहने के लिये किए जाने वाले निरंकुश शासन की परिणति जनाक्रोश एवं जनान्दोलन के चरम के रूप में सामने आता ही है।

ताजा घटनाक्रम एवं हिंसक आंधी श्रीलंका में 2022 के विरोध प्रदर्शन की याद ताजा कर गया, जिसमें वहां राजपक्षे बंधुओं को सत्ता से उतरकर विदेश भागने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, फिलहाल बांग्लादेश में सेना ने कमान अपने हाथ में ली है लेकिन आने वाली सरकार को उच्च बेरोजगारी, आर्थिक अस्थिरता, मुद्रास्फीति जैसे ज्वलंत मुद्दों का समाधान करना होगा। नयी व्यवस्था एवं सोच में व्यापक सकाकरात्मक परिवर्तन हो, विदेशी ताकतों विशेषतः पाकिस्तान की कठपूतली बनने से बचना होगा। हालांकि, भारत के हसीना सरकार से मधुर संबंध थे, भारत बांग्लादेश का सबसे करीबी, सहयोगी और दुख के दिनों का साथी रहा है। शेख हसीना बांग्लादेश के बंग बंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। 1975 में परिवार के ज्यादातर सदस्यों के साथ एक सैन्य तख्तापलट में उनकी मौत हो गई थी। लेकिन शेख हसीना और उनकी बहन रेहाना उस वक्त जर्मनी में थी। इसलिए जिंदा बच गई थी। तब तत्कालिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने शेख हसीना और उनकी बहन को भारत बुलाया था एवं संरक्षण प्रदान किया था। लेकिन हालिया उथल-पुथल को देखते हुए हमें अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। पाकिस्तान परस्त बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी की आसन्न वापसी भारत के लिये सावधान होकर अग्र-स्थितियों पर गंभीरता से ध्यान देने की है। बांगलादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस देश के अंतरिम प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बताया जा रहा है कि शेख हसीना का विरोध कर रहे छात्रों ने मोहम्मद यूनुस के नाम का समर्थन किया है। शेख हसीना और यूनुस का आपस में बहुत तनाव रहता था। अब यूनुस से उम्मीद की जा रही है कि वह देश को स्थिरता की ओर ले जा सकते हैं। भारत पड़ोसी देश के नाते बांगलादेश में स्थिरता, शांति एवं सौहार्द्रपूर्ण स्थितियों की कामना करता है।

बांग्लादेश में अब सेना की नेकनीयत का आसरा

देश विदेश

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बांग्लादेश अशांत है। वह हिंसा, अराजकता और अनिश्चितता के बोगदे में है और रोशनी का सिरा फिलवक्त नज़र नहीं आता। जो पुष्ट-अपुष्ट खबरें सीमा-पार से आ रही हैं, वे ऐसी नहीं हैं कि राहत अथवा सुकूं की सांस ली जा सके। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद कमान अब फौज़ के हाथों में है। सेना प्रमुख वकार उज जमान की मानें तो विभिन्न सियासी पार्टियों से बात की जा रही है, नज़रबंद पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया की रिहाई का आदेश किया गया है और अनुमान है कि माइक्रो फाइनेंसिंग के लिए चर्चित नोबुल विजेता 84 वर्षीय मोहम्मत यूनुस को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा जाएगा।

आज फिर ढाका से टेलीफोनिक संपर्क किया तो ज्ञात हुआ कि वहाँ स्थितियाँ अभी भी नियंत्रण के बाहर हैं। देश अराजकता की चपेट में है और पूरे मुल्क में ख़ौफ तारी है। व्यापक छात्र आंदोलन और हिंसा से त्यागपत्र देने को बाध्य शेख हसीना को इतना आनन-फानन ढाका छोड़ना पड़ा कि वह राष्ट्र के नाम संदेश भी प्रसारित नहीं कर सकीं। उन पर नागरिक अधिकारों के हनन, राजनीतिक बैरियों के दमन और उत्पीड़न, चुनावी-धांधली और अधिनायकवादी वृत्ति के आरोप सही हैं और यही उनके पतन का कारण बने, लेकिन शेख हसीना के पतन के बाद ऐसा कुछ नहीं हुआ है कि उस पर किसी की बाँछें खिलें।

दरअसल, बांग्लादेश आसमान से गिरकर खजूर में अटक गया है। बांग्लादेश में निरंकुशप्राय हो चली हसीना के हाथों से सत्ता गयी है, किंतु वह जम्हूरियत-पसंद ताकतों के हाथों में नहीं आई है। उल्टे वहाँ नियंत्रक शक्ति फौज ने हासिल कर ली है।

प्रसंगवश, आज से करीब चार दशक पहले की ईरान की इस्लामी क्रांति को याद करें। रजा शाह पहलवी की राजशाही की समाप्ति पर प्रगतिशील और लोकतांत्रिक ताकतों ने खूब जश्न मनाया था, लेकिन ईरान के हालात कैसे हैं? वहाँ कट्टरपंथी, अनुदार मजहबी ताकतें काबिज हैं। बनी सद्र जैसा तरक्की और जम्हूरियत-पसंद शख्स पेरिस में निर्वासन में मर गया। जलावतनी, गिरफ्तारी, सेंसरशिप और मृत्युदण्ड का दौर जारी है। यह सच झुरझुरी पैदा करता है। कहीं हमारा पड़ोसी देश भी तो इसी तरफ आगे नहीं बढ़ गया है?

बांग्लादेश के तख्तापलट में कई कीमती पाठ छिपे हुए हैं। राष्ट्रपिताओं या राष्ट्रनायकों के साथ यह सलूक चिंतनीय है। ढाका में बंगबंधु की प्रतिमा ध्वस्त की गयी, धानमंडी का दफ्तर नष्ट तथा म्यूजियम नेस्तनाबूद किया गया। वस्तुतः बांग्लादेश की नयी पीढ़ी को बंगबंधु के बलिदान पर गर्व होना चाहिए था। उसे वहाँ जाकर लोकतंत्र की बहाली का संकल्प लेना था। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। क्या हम रूस में लेनिन, चीन में माओ जे दुंग, भारत में महात्मा गांधी, दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला, वियेतनाम में हो ची मिन्ह और इंडोनेशिया में सुकर्णो के महान योगदान की अनदेखी कर सकते हैं? नयी पीढ़ी इन महान नायकों से अनभिज्ञ है अथवा इन देशों में ऐसी ताकतें सक्रिय हैं, जो नयी पीढ़ी को वैचारिक अराजकता तथा अधिनायकवाद में आस्था की ओर धकेल रही हैं?

लोकतंत्र में लेकर दुनिया भर में बहस जारी है। विश्व में ज्ञात व्यवस्थाओं में लोकतंत्र सबसे कम खराब व्यवस्था है। यह फौजी शासन से हर मान से बेहतर है। उगांडा, पाकिस्तान, म्यांमार जैसे उदाहरण हमारे सामने हैं। हम इदी अमीन, पोल पोट, मार्कोस, चाऊ शेहकू को याद करें। सेना की दाढ़ों से खून लग जाये तो वह आसानी से सत्ता नहीं छोड़ती है। बांग्लादेश के घटनाक्रम का स्याह पहलू यही है कि वहाँ फौजी शासन का खतरा उठ खड़ा हुआ है।

भारत बांग्लादेश का पड़ोसी राष्ट्र है, बड़ा शक्तिशाली पड़ोसी। शेख हसीना का भारत आना स्वाभाविक है और भारत के महत्व का परिचायक भी। हालाँकि, अभी हसीना का गंतव्य तय नहीं है, किंतु भारत के विदेश-मंत्री जयशंकर ने उन्हें हरसंभव सहायता का यकीन दिया है। यह भी सुखद है कि इस नाजुक मसले पर अपनी लीक से हटकर सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, जिसमें राहुल गांधी ने भी भाग लिया।

सारे मामले में भारत के इर्द-गिर्द चीन की घेराबंदी की कोशिशें भी मायने रखती हैं। अभी तो प्रार्थना और उम्मीद कीजिये कि बांग्लादेश में सेना सदाशयता का परिचय देगी। भारत के लिए यह कूटनीतिक परीक्षा की घड़ी है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

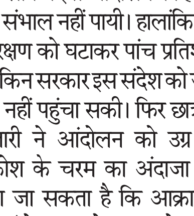

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मुलाकात एकमुखी रावण से!

रामलीला में तो रावण देखा था, परन्तु वैसे कभी रावण से वास्ता नहीं पड़ा था, इसलिए अकस्मात मिलने पर पहचानना कठिन था। मैं एक निर्जन स्थान से गुजर रहा था, तभी एक रोबीली आवाज ने मुझे रोका और कहा- 'कहाँ जा रहे हो ?' मैं बोला- 'आपका परिचय ?' मेरे प्रति प्रश्न से रावण अपने एक ही मुंह से 'हा.................... हा....................' कर जोरों से हंसा, जिससे वृक्षों पर बैठे पक्षी डरकर उड़ गये। रावण बोला- 'मेरा नाम रावण है। मेरे ख्याल से मेरा यही परिचय पर्याप्त होगा।' मैंने कहा- 'लेकिन रावण के दस आनन हैं, आपके तो मात्र एक मुख है। यह कैसे हो सकता है ?' वह बोला- 'मैं एक ही मुख से दस प्रकार की बातें कर लेता हूँ, अतः मुझे दस आननों की आवश्यकता नहीं है, दशानन वाले रावण के दिन बीत गये हैं। यह कलयुग है बटोही और मैं ठहरा बटमार। तुम्हारी जेब में जो भी है, वह निकालकर मेरे हवाले कर दो वरना मेरी भुजायें तुम्हारा सर्वनाश कर देंगी और यह चाकू देख रहे हो, तुम्हें चीरने को यही पर्याप्त है।'

मैं घिघिया सा बोला- 'सर, आखिर आप सोने की लंका के मालिक हैं। आपको इस तरह की बातें शोभा नहीं देती। वैसे भी मेरी जेब में तेईस रूपये हैं। उनसे आपका बनेगा क्या ?' रावण फिर दहाड़ा- 'बकवास बंद करो। जो भी माल जेब में है मेरे हवाले कर दो।' मैं फिर डरता हुआ बोला- 'सर मैं अत्यन्त गरीब हूँ। मुझे रास्ते से साग भाजी खरीदते हुए घर पहुंचना है, इसलिये यह धन राशि तो आप मेरे पास छोड़ दें।' रावण बोला- 'लगता है सीधी अंगुली से घी नहीं निकलता। मुझे चाकू का प्रयोग करना ही पड़ेगा।' यह कहकर रावण ने चाकू मेरे सीने पर तान दिया। मुझे लगा अब तेईस रूपये सरेन्डर कर देने चाहिए वरना यह जानलेवा हो सकता है।

तभी एक सज्जन आ गये और वे रावण से बोले- 'अरे भाई यह क्या कर रहे हो ?' यह भला आदमी है, इसे जाने दो।' रावण ने इस बार चाकू मुझसे हटाकर राहगीर पर तान दिया और बोला- 'तुम्हारी जेब में क्या है ?' 'क्यों तुम्हें क्या लेना है मेरी जेब से। मेरी जेब में तो इस समय नो सौ बावन रूपये हैं, बोलो तुम क्या करोगे ?' इस बार रावण ने मुझे देखा और कहा- 'इस नादान को मेरा परिचय देवो।' मैं बोला- 'श्रीमान जी ये कलयुग के एकमुखी रावण हैं। आपको इनसे डरना चाहिए और जो भी जेब में है, इनके हवाले कर देना चाहिए।'

राहगीर बोला- 'बहुत देखे है ऐसे एकमुखी रावण। कोई फोकट का माल है, जो निकालकर इन्हें दे दूं। तुम भी कुछ मत देना। देखते हैं क्या कर लेगा यह एकमुखी रावण।' इस बार रावण की आंखों से चिंगारियाँ निकलने लगी और वह राहगीर से बोला- 'चुपचाप नो सौ बावन रूपये मेरे हवाले कर दे वरना चीर दूंगा इस चाकू से।'

यह कहकर रावण ने अपना चाकू राहगीर के पेट पर तान दिया। इस बार राहगीर थोड़ा घबराया और बोला- 'यार पढ़े-लिखे आदमी होकर इस तरह से पेश आते हो। थोड़ी बहुत शर्म किया करो। कोई मेहनत-मजदूरी करो, इस तरह लूटपाट से कब तक काम चलेगा।'

रावण गुर्राया और बोला- 'मुझे उपदेश देते हो, यह जानकर भी कि तुम्हारी जान खतरे में है।' यह कहकर रावण ने राहगीर की जेब पर हाथ मारा और झपटकर एक ही पल में नो सौ बावन रूपये अपने हाथ में ले लिये। राहगीर को छोड़कर अब वह मेरी और तुखातिब होकर बोले- 'अब तुम निकालो तेईस रूपये।' मैंने चुपचाप तेईस रूपये निकाल कर उसे सौंप दिये।

रावण 'हो.................... हो....................' कर हंसता हुआ चला गया। हम डरे से, ठगे से उसे जाता हुआ देखते रहे। राहगीर मुझसे बोला- 'यार यह क्या गुण्डागर्दी चल रही है। हम दो होकर भी एकमुखी रावण से नहीं निपट सके।' मैं बोला- 'गुण्डा राज है। सज्जनता का जमाना नहीं है। हम दोनों को लूटकर वह चम्पत हो गया है।' राहगीर बोला- 'चलो थाने चलते हैं। इसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायेंगे।' मैं उससे हाथ जोड़कर बोला- 'मुझे तो माफ करो। जान बची और लाखों पाये। थाने जाना है तो आप ही जायें। मैं तो मेरे घर जाऊंगा।' राहगीर ने मुझे लानत दी और वह अकेला ही थाने चला गया। पुलिस ने इस लूट पर क्या कार्यवाही की, इसका पता मुझे आज तक तो चला नहीं है। पता नहीं उस राहगीर के साथ पुलिस ने क्या किया होगा, भगवान जाने रावणों की कमी वहाँ भी नहीं है।

नजरिया बदलें, नजारा बदल जाएगा

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखिका स्तंभकार हैं।

समय कभी किसी के लिए नहीं रुकता। यह बात जितनी सही है इसके अर्थ उतने ही गम्भीर है। समय सच में किसी के लिए नहीं रुकता। समय की गुणवता जीवन की गुणवता को भी प्रभावित करती है। आज हर जगह अस्थिरता का दौर है और इस दौर में खुद को किसी भी क्षेत्र में सफल करना और उस सफलता को बनाए रखना एक कड़ी परीक्षा देने जैसा है। हर तरफ ईर्ष्या करने का फैशन सा बन गया है। आप किसी के बारे में अपने विचार नहीं रख सकते क्योंकि आपके विचार उसके काम से कम उसकी सफलता से अधिक प्रेरित होते है। इस नपीतुली प्रेरणा में हम सामने वाले की मेहनत को नज़रंदाज कर देते है। हमें दिखती है तो बस आज की उसकी सफलता।

हमेशा यह एक प्रश्न हमारे सामने आता है कि वो तो खुश और सफल है पर मैं क्यों नहीं जबकि मैं उससे ज़्यादा मेहनत करता हूं या करती हूं। हमें जितनी आतुरता से सफलता को देखना चाहिए उतनी ही शिद्दत से उस काम को करने की मेहनत करनी चाहिए। हर सफलता बलिदान मांगती है। यदि आप अपने समय को सुचारू रूप से प्रयोग नहीं कर सकते या अपने आने वाले कल के लिए अपने आज के आराम का बलिदान नहीं कर सकते तो आने वाले कल में सफलता मात्र हमारी बातों में हो सकती है, हमारे जीवन में नहीं हो सकती। अंतहीन परिश्रम, जोखिम, तनाव व आत्म-संदेह इन चीज़ों पर जो नियंत्रण करना सीख जाता है वही अपने आने वाले कल को बेहतर बनाने में समय का सदुपयोग कर पाता है।

संघर्ष के मार्ग से होकर ही हम सफलता को पा सकते है। इस बात को जानते हम सब हैं लेकिन मानते कितने लोग है, यह सोचने का विषय है। क्योंकि आज डिजिटल मीडिया के दौर में हम किसी भी बात पर आसानी से विश्वास कर लेते है और उतनी ही जल्दी अविश्वास भी हमें घेर लेता है। कम समय में लोगों द्वारा दी गई सफलता को हम अपना संघर्ष समझ लेते है। लेकिन यह भूल जाते है कि बिना मेहनत किए जो जितनी जल्दी मिलता है, उससे अधिक जल्दी हमसे अलग भी हो जाता है। आज लोगों को हम पसंद है तो कल कोई ओर पसंद होगा। यदि यही मेहनत हमने अपने आप को सवारने और अपने काम को लग्न से करने में की होती तो सफलता किसी और का अहसान नहीं बल्कि हमारा ईनाम होती।

आज के दौर की मांग कम काम करना और न्यूनतम समय में अधिक परिणाम देने की भी है। हम इस दौड़ से भाग नहीं सकते। आज अगर हमने टाइम मैनेजमेंट नहीं सीखा तो फिर कितने भी काबिल हम हो जाए,लेकिन सफलता कोसों दूर ही रहेगी। कई बार हम सोचते है कि काम तो हम पूरी लगन के साथ कर रहे है, लेकिन परिणाम हमें बहुत कम मिल रहा है। ऐसी स्थिति में हमें दूसरों से ईर्ष्या करने की बजाए इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हमारे प्रयासों में कहां कमी आ रही है और उस कमी को दूर करने में अपनी ऊर्जा को लगाना चाहिए।

हर इंसान को अपने भीतर की कुछ कमियों का पता होता है पर अपने अहम के कारण हम अपने भीतर की आवाज़ को नज़रंदाज़ कर देते है। यदि हम अपने भीतर की आवाज़ को सुने तभी हमें अपनी सफलता के रास्ते भी साफ़ दिखाई देने लगेंगे।

किसी भी स्थिति में हमें अपने भीतर कुछ बदलाव करने करने चाहिए।

1. सबसे पहले मैं सबसे अधिक जानता या जानती हू इस भ्रान्ति को अपने से अलग करके हमेशा कुछ नया सीखने और उस नये को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए।
2. किसी और के काम की प्रशंसा करनी चाहिए।
3. सबको साथ लेकर चलना चाहिए।
4. आपके काम में यदि कोई कमी बताए तो उसे धैर्यता से सुनना चाहिए।
5. अपने भीतर की जिज्ञासा को शांत ना होने दें, लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि आपके सबकुछ जानने की इच्छा से कोई दूसरा आहत ना हो।
6. खुद को सर्वश्रेष्ठ मानना बंद कर दें।
7. दूसरों की तारीफ़ करना सीखें।
8. एक अच्छा श्रोता बनें।
9. तकनीक को हमेशा अच्छाई के लिए प्रयोग करें, यह भी याद रखें की तकनीक हमारे उपयोग के लिए बनी है, ना की हम तकनीक के उपयोग के लिए बनें है।
10. खुद को समय दें।
11. परिवार व दोस्तों की भावनाओं का ध्यान रखें।
12. जब जहां जिसकी ज़रूरत हो उसको महत्व दें। इसका यह बिलकुल मतलब नहीं है कि आप सबका उपयोग करें बल्कि इसका अर्थ है की कि अपने अतिरिक्त दूसरों के महत्व को समझें।

सारी बातें हम सब जानते है और यही सारी बातें हमने कई बार दूसरों से सुनी भी है। बस अब समय है तो इन बातों को अपने जीवन में अपनाने का। सफलता आपके भीतर ही है, बस आपके नजरिया बदलने की देर है कि वो कब आपको एक उपहार के रूप में मिले, और हमेशा के लिए आपको एक मिसाल बना दें।

अहं व प्रजातंत्र विरोधी रवैया पतन के लिए जिम्मेदार

बांग्लादेश संकट

एल.एस. हरदेनिया

संयोजक राष्ट्रीय सेक्युलर मंच

बांग्लादेश में शेख हसीना और उनकी सरकार के अधःपतन के बाद शायद दुनिया में एक मात्र धर्म निरपेक्ष इस्लामिक देश का पतन हो गया है। शेख हसीना के पिता मुजिबुर रहमान बांग्लादेश के निर्माता थे। उन्होंने यह सिद्ध किया था कि नागरिकों के लिए धर्म से ज्यादा महत्व भाषा का है। जब पाकिस्तान के अधिनायकशाही शासकों ने बांग्लादेश पर उर्दू को लादने की कोशिश की थी तो उन्होंने इसे नामंजूर कर दिया था और यह कहा था कि बांग्ला भाषा ही हमारी मातृ भाषा है। इसके साथ ही पाकिस्तान के चुनाव में मुजिबुर रहमान को बहुमत मिला था। इसके बावजूद पाकिस्तान के शासकों ने उन्हें पाकिस्तान का प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया। इस सबका बांग्लादेश के नागरिकों ने जबरदस्त विरोध किया और उन्होंने पाकिस्तान से अलग होने का फैसला किया।

इस बीच मुजिबुर रहमान की हत्या कर दी गई। बांग्लादेश का शासन दक्षिणपंथी इस्लामी ताकतों के हाथ में आ गया। परंतु कुछ समय के बाद मुजिबुर रहमान की आवामी लीग फिर सत्ता में आ गई और शेख हसीना प्रधानमंत्री बनीं। उनके शासनकाल में बांग्लादेश ने काफी प्रगति की। वहां की आर्थिक व्यवस्था में भारी सुधार हुआ। आर्थिक प्रगति के साथ ही शेख हसीना ने वहां अनेक संवैधानिक सुधार किए। इन सुधारों के जरिये उन्होंने बांग्लादेश को एक पूर्णतः धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाया। वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों को जिनमें हिन्दू भी शामिल थे, पूरी सुरक्षा दी और दक्षिणपंथियों को सिर उठाने का अवसर नहीं दिया।

भारत से भी बांग्लादेश के संबंध अच्छे हो गये। जिन बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर भाजपा अपनी राजनीति करती थी उसमें कुछ हद तक ब्रेक लग गया और नरेन्द्र मोदी ने भी बांग्लादेश से अपने संबंध सुधारने में कोई कसर नहीं छोड़ी। परंतु धीरे-धीरे शेख हसीना को सत्ता का नशा चढ़ने लगा। वहां उन्होंने अपने विरोधियों पर जबरदस्त ज्यादतियां कीं। यहां तक कि उनकी सबसे बड़ी विरोधी पार्टी की नेता खालिदा जिया को जेल में डाल दिया। उनकी पार्टी को चुनाव लड़ने में तरह-तरह की बाधाएं उत्पन्न कीं और स्थिति इतनी खराब हो गई कि खालिदा जिया की पार्टी ने अभी पिछले चुनाव में भाग लेने से भी मना कर दिया।

इसी तरह वहां की एक और पार्टी जमाते इस्लामी को उन्होंने आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया, जबकि जमात का बांग्लादेश में प्रभाव था। उन्होंने हर तरह से लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला किया। नतीजे में उनकी लोकप्रियता घटती गई और एक मौका ऐसा आया कि लगभग पूरा बांग्लादेश उनके विरूद्ध हो गया। जब उन्होंने उनके विरोधियों को आतंकवादी कहा और उन्हें रजाकार भी निरूपित किया, इससे पूरे बांग्लादेश में आक्रोश फैल गया। फिर इन्होंने एक और गलत फैसला किया कि उन लोगों को जो 1971 के पाकिस्तान विरोधी आंदोलन में शामिल हुए थे उनको नौकरी देने का फैसला किया।

नौकरी प्राथमिकता पर दी जाने लगी और सरकारी नौकरियों में उन्हें 30 प्रतिशत आरक्षण दे दिया गया। इसका जबरदस्त विरोध बांग्लादेश में हुआ और इस विरोध ने शेख हसीना का व्यक्तिगत रूप ले लिया और मांग उठने लगी कि शेख हसीना इस्तीफा दो और बांग्लादेश छोड़ो। विरोध इतना बढ़ गया कि शेख हसीना को रात के अंधेरे में हैलिकाप्टर से अपनी बहन के साथ, कुल दो सूटकेस और अपनी काम की चीजों के साथ, बांग्लादेश को छोड़ना पड़ा। वहां की फौज ने उनको बांग्लादेश छोड़ने में मदद की। फौज ने उनकी मदद इसलिए की कि यदि वे बांग्लादेश से नहीं भागतीं तो शायद उनकी हत्या कर दी जाती। उन्होंने भारत में शरण ली और भारत सरकार ने उनके हवाईजहाज को फौजी हवाई अड्डे में उतरने की इजाज़त दी और उन्हें अस्थायी शरण दी। भारत पहुंचने के बाद हमारे सुरक्षा सलाहकार उनसे मिले और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया।

अब वे तय कर रही हैं कि वे किस देश में शरण लें। उनकी सरकार के पतन से हमारे सामने बहुत ही गंभीर समस्या खड़ी हो गई है, क्योंकि बांग्लादेश सही मायनों में हमारा मित्र देश है। वहां जो स्थिति बनी है उसका चीन और पाकिस्तान पूरा लाभ लेने की कोशिश करेंगे। इन दोनों देशों की नीति का विरोध करना हमारे लिए कठिन हो जायेगा। शेख हसीना के पुत्र ने भी घोषणा कर दी है कि उनकी राजनीति समाप्त हो गई है और वे शायद ही बांग्लादेश जायेंगी। उनका अधःपतन इस बात का प्रतीक है कि भले ही आप धर्मनिरपेक्ष हों परंतु यदि आप डेमोक्रेटिक नहीं हैं तो आपकी धर्मनिरपेक्षता का कोई अर्थ नहीं होता।

शेख हसीना की धर्मनिरपेक्षता के प्रति प्रतिबद्धता इस हद तक थी कि जिन रवीन्द्रनाथ टैगोर के गीत को हमने अपना राष्ट्रगान बनाया था, उन्हीं रवीन्द्रनाथ टैगौर के गीत को उन्होंने भी बांग्लादेश का राष्ट्रगान बनाया था। इसके साथ ही साड़ी यदि कहीं सबसे ज्यादा पहनी जाती थी तो प्रायः बांग्लादेश में। वे स्वयं हमेशा साड़ी पहनती थीं। वहां के रहन-सहन से उन्होंने हमेशा यह बताने की कोशिश की कि वे भारत की सच्ची मित्र हैं। परंतु उनके सत्ता के घमंड के सामने यह सब नहीं टिक सका और उन्हें अत्यधिक शर्मनाक स्थिति में अपनी मातृभूमि को छोड़ना पड़ा और अपने पिता की धरोहर को खोना पड़ा।

यहां यह बताना उचित होगा कि जब शेख मुजिबुर रहमान की हत्या की गई तो उस समय उनके परिवार में जितने लोग थे सबकी हत्या कर दी गई थी। परंतु शेख हसीना इसलिए बच गई थीं कि वे उस समय जर्मनी में थीं। उसके बाद उन्होंने लम्बे समय तक अपने पिता के आदर्शों पर चलने का प्रयास किया परंतु वे बाद में भटक गईं हम भारतवासियों को इसका हमेशा दुख रहेगा।

शर्म तुमको मगर नहीं आती !

राजनीति

बादल सरोज

लेखक लोकजतन के संपादक हैं।

विनेश फोगाट फाइनल में पहुंच कर भी बाहर हो गयी हैं - अब तक के मुकाबलों में जो तेज और ओज, ऊर्जा और विवेक उन्होंने दिखाया था उसे देखते हुए पूरी संभावना थी कि वे 50 किलोग्राम के वर्ग में स्वर्णपदक जीतकर ही आती। अब वे रिंग के बाहर हैं। वैसे अभी भी वे उस मुकाम पर पहुँच चुकी हैं जहां तक आज तक ओलंपिक्स में कोई भारतीय लड़की नहीं पहुंची; रिकॉर्ड तो बन ही चुका है । चंद यौन दुराचारियों और काम-कुंठितों को छोड़कर पूरे देश को विश्वास था कि यह रिकॉर्ड भी टूटेगा और विनेश नया रिकॉर्ड बनाएंगी। पूरा देश - कुश्ती का क तक न जानने वाले हम जैसे नागरिक भी - उनकी इस उपलब्धि पर आल्हादित हैं, इस कदर खुश हैं कि कल बजरंग पूनिया द्वारा बोले गए शब्दों के कहें तो यह तय नहीं कर पा रहे हैं हँसे या रोयें !! ऐसा तब होता है जब ख़ुशी की चरम अवस्था होती है- अभी परम का आना बाकी है ।

ओलंपिक खेलों के मुकाबले कहीं ज्यादा कठिन लड़ाई विनेश और उनकी साथी महिला पहलवानों ने जंतर मंतर पर लड़ी थी; लातें, थप्पड़, लाठियां खाई थीं, उनसे अधिक तकलीफ और पीड़ा देने वाली गालियाँ खाई थीं। सिर्फ दुराचारी भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह ही इन पर नहीं लपका था; संस्कारी पार्टी की पूरी फ़ौज और उसमे शामिल औरतें भी सारी लाज शर्म छोड़कर इन्हें भंभोड़ने के लिए झपट पड़ी थी। गरिया रही थीं ।

क्या क्या नहीं कहा था इन असभ्यों ने; विनेश को चुकी हुई खिलाड़ी बताया, विपक्ष की कठपुतली बताया, दूसरों से पैसा लेकर आन्दोलन करने वाला बताया, जैसे यौन दुराचार ही इनके लिए राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक हो इस भाव से इनके आन्दोलन को 'राष्ट्रीय गौरव' और दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने वाला राष्ट्रद्रोही बताया। इतना आहत किया कि साक्षी मलिक को अपने जूते उतारकर इन्हें भेंट करने के लिए विवश कर दिया । बाकी जंतर मंतर पर इनके साथ कब कब क्या क्या हुआ यह जो थोड़े से भी मनुष्य हैं उन्हें अच्छी तरह से याद होगा, इसलिए दोहराने की आवश्यकता नहीं; जिन्हें याद नहीं है उनके लिए दोहराने का कोई मतलब नहीं; उन पर सिर्फ रहम किया जा सकता है ।

अभी कुछ रोज पहले मई महीने में जब दुनिया भर के खिलाड़ियों की तरह भारत के खिलाड़ी भी तैयारी में जुटे थे तब भी विनेश फोगाट को जलील करने, उनके खिलाफ अभद्र और अश्लील बातें की गई थीं। क्षुब्ध होकर खुद विनेश फोगाट को कहना पडा था कि; जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन बंद करने के बाद भी हम पहलवानों की आलोचना जारी है। ऐसा तब भी होता है जब मैं अभी प्रतिस्पर्धा कर रही होती हूँ। मैं 53 किलोग्राम वर्ग का ट्रायल नहीं जीत पाई क्योंकि मैं 50 किलोग्राम पर ध्यान केंद्रित करना चाहती थी। मैंने 53 किलोग्राम वर्ग के ट्रायल में पूरी ताकत नहीं लगाई। इसके तुरंत बाद आईटी सेल मेरे पीछे पड़ गया। ये हमले कैसे थे, एक सांसद की टिप्पणी से समझा जा सकता है; मोहतरमा क्या बोली हैं इसे दोहराकर सुबह खोटी करने का कोई अर्थ नहीं। यह मानना बचपना होगा कि उनका बयान किसी कुपढ़, असभ्य और बचपन में ही भेड़ियों द्वारा उठाकर ले जाई गयी व्यक्ति का बयान है; इस गिरोह में अपने मन से कभी कोई नहीं बोलता ।

हमारे एक मित्र और पड़ोसी थे जो भाजपा की आई टी सैल की शैशवावस्था से ही इसके साथ जुड़े थे । यह तब की बात है जब मोबाइल व्हाट्सएप्प नहीं था। वे अभी कुछ ही दिन पहले स्मृतिशेष हुए हैं । प्यारे और खरे इंसान थे, उनका नाम लिखने की आवश्यकता नहीं - समझने वाले समझ जायेंगे । एक बार हमने एक भाजपा नेता, जिनके भाषा दारिद्रय, शब्द कुपोषिता और लिपि कृपणता से सब भलीभांति परिचित थे, का एक बड़ा सुगठित, सुव्यवस्थित वक्तव्य अखबार में पढ़ा । उनके इस नए अवतार पर चकित हो गये। संयोग से उसी दिन इन स्मृतिशेष मित्र से मुलाक़ात हो गयी; हमने उनके साथ अपना आश्चर्य साझा किया कि फलाने तो काफी परिपक्व हो गए हैं; वे हंसकर बोले कि फलाने को ..... से फुर्सत मिले तब वे कुछ सीखें साखें, ये सारे बयान तो एक जगह बैठकर लिखे जाते हैं , फैक्स से भेजे जाते हैं, कार्यालय प्रभारियों से लगवाए जाते हैं, जिनके नाम से छपते हैं उन्हें भी अखबार में छपने के बाद ही पढ़ने को मिलते हैं! फलाने ने भी अखबार में ही पढ़ा होगा!

मतलब यह कि ये जो मोहतरमा बेबी बोली हैं वह राजनीतिक खीज है। उन्हें विनेश के साथ अतीत में हुए दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगनी चाहिए।

जन आक्रोश का त्वरित समाधान जरूरी

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

ऐसे मन ही मन उबलने वालों की संख्या बहुतायत में है। लेकिन चूंकि यह इकट्ठे नहीं है अपितु एकल स्वरूप में है। इसलिए इनके दर्द की आवाज व्यवस्था के नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह जाती है। वैसे समय-समय पर ऐसे मन ही मन उबलने वालों के किसी वर्ग के दर्द का एहसास किसी राजनीतिक, प्रशासनिक या सामाजिक रहनुमा को हो जाया करता है। लेकिन आमतौर पर ऐसे रहनुमाओं का कालखंड और कार्यक्षेत्र बहुत सीमित हुआ करता है। हालांकि शासन-प्रशासन के अनेक प्रावधान ऐसे हैं जो मन ही मन किसी बात को लेकर उबलने वालों की तकलीफ दूर कर सकते हैं, लेकिन जानकारी और संबंधित वर्ग की इच्छाशक्ति के अभाव के चलते उसका परिपालन नहीं हो पाता।

आम आदमी के मन ही मन उबलने के एक नहीं अनेक कारण हो सकते हैं। व्यक्तिगत कारण से इतर कुछ कारण व्यवस्था संबंधी भी हुआ करते हैं। जहां तक व्यक्तिगत कारणों का सवाल है, तो इसका निदान परिवार, रिश्तेदार या मित्रगण कर सकते हैं। लेकिन राजनीतिक, प्रशासनिक या समाजिक क्षेत्र से संबंधित किसी प्रचलित व्यवस्था से आहत आदमी की समस्याओं का निदान एकल स्वरूप में नहीं हो सकता। जिसके चलते आम आदमी कहीं न कहीं, किसी न किसी बात को लेकर मन ही मन उबलने लगता है। आमतौर पर इसका प्रत्यक्ष संज्ञान नहीं लिया जा सकता, लेकिन इसकी अनुभूति की जा सकती है। लेकिन ऐसी इच्छाशक्ति का परिचय कम ही देखने को मिला करता है।

ऐसे मन ही मन उबलने वालों की संख्या बहुतायत में है। लेकिन चूंकि यह इकट्ठे नहीं है अपितु एकल स्वरूप में है। इसलिए इनके दर्द की आवाज व्यवस्था के नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह जाती है। वैसे समय-समय पर ऐसे मन ही मन उबलने वालों के किसी वर्ग के दर्द का एहसास किसी राजनीतिक, प्रशासनिक या सामाजिक रहनुमा को हो जाया करता है। लेकिन आमतौर पर ऐसे रहनुमाओं का कालखंड और कार्यक्षेत्र बहुत सीमित हुआ करता है। हालांकि शासन-प्रशासन के अनेक प्रावधान ऐसे हैं जो मन ही मन किसी बात को लेकर उबलने वालों की तकलीफ दूर कर सकते हैं, लेकिन जानकारी और संबंधित वर्ग की इच्छाशक्ति के अभाव के चलते उसका परिपालन नहीं हो पाता।

इसके अतिरिक्त कोई भी संवेदनशील शख्सियत किसी एक क्षेत्र की समस्या का चाहे निदान कर देवें, लेकिन संपूर्ण परिवेश के मन ही मन उबलने वाले वर्ग के लिए तारणहार नहीं बन सकती। ऐसी स्थिति में जब आम आदमी को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित कर देने वाली तमाम विसंगतियां समय के साथ फलती-फूलती नजर आती हो, आम आदमी के लिए समस्याओं का अंबार लग जाता है। जो कि कालांतर में जन-जन के मन की असंतुष्टि के चलते कहीं-कहीं तो ज्वालामुखी की भांति फूट पड़ता है। ऐसा नहीं है कि ऐसी स्थिति केवल और केवल हमारे देश-प्रदेश में ही हो। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भी ऐसे दृश्य दिखाई देते हैं, जिसमें ऐसा ही कोई ज्वालामुखी फूट पड़ा हो। खैर।

वैसे भी बोलचाल की भाषा में कहा जाता है कि किसी रबर को दोनों ओर से खींचने पर एक स्थिति ऐसी आती हैं कि रबर टूट कर खींचे जाने के कारक तत्व पर प्रहार कर बैठता है। प्रतीक स्वरूप इस दृष्टांत से आम आदमी के मन के मनोविज्ञान को समझना आसान हो सकता है। दुर्भाग्य से आलम यह है कि आग लगने पर ही कुआं खोदने की रीति-नीति को अपमाने का ढर्रा एक प्रकार से व्यवस्था की आदत में शुमार हो गया है। यह स्थिति धीरे-धीरे आम आदमी के अंतर्मन में गहन आक्रोश का कारण बन बैठती है, जो एक समय आने पर एक नई समस्या को जन्म दे दिया करती है। इस स्थिति से बचने के लिए आम आदमी के मन में झांकने की जरूरत है।

दरअसल देश-प्रदेश में व्याप्त राजनीति के प्रचलित तौर-तरीकों में आमूलचूल परिवर्तन करने की जरूरत है। आम आदमी में गुण-दोष के आधार पर किसी दल या व्यक्ति के चयन का विवेक जागृत करना जरूरी है। प्रशासन के नुमाइंदों को सच्चे अर्थों में जनसेवक बनने की नितांत आवश्यकता है। सामाजिक परिवेश का ताना-बाना 'जियो और जीने दो' की भावना पर आधारित किए जाने की जरूरत है। पीड़ित पक्ष को त्वरित न्याय दरकार है। आम आदमी के समक्ष अपनी शारीरिक और मानसिक श्रमशक्ति का भरपूर दोहन कर सकने का पर्याप्त विकल्प सामने रखने की भी जरूरत है। ऐसा होने पर यह स्थिति तो कदापि नहीं आ सकती कि 'खाली दिमाग में बैठे शैतान हरकत में आ सके।'

बहन की श्रद्धांजलि में औषधीय पौधे वितरित किए

बैतूल। गायत्री परिवार द्वारा वृक्ष गंगा अभियान निरंतर पूरे देश में चलाया जा रहा है। जिसके तहत वृहद स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है। साथ ही किसी भी परिजन के घर श्रद्धांजली, पुण्यतिथि आदि अवसर पर पौधों का वितरण किया जा रहा है। ग्राम गोराखार निवासी बाबूलाल, छुट्टू, देवेंद्र, योगेश, महेश रावत ने अपनी बहन स्व. फूलकांति बाई की

श्रद्धांजलि में आए सामाजिक बंधुओं 51 औषधीय एवं फलदार पौधे भेंट किए। इस मौके पर रोशनलाल पटैय्या और अनिल साहू ने कहा कि यह समाज के लिए एक अनुकरणीय पहल है। इस अवसर पर गायत्री परिवार के पूर्व सैनिक मधु वर्मा, रोशनलाल पटैय्या, वायके डिगरसे, सुरेश पांसे, रामजी बनखेड़े, गुड्डा वर्मा - हथनोरा, अनिल साहू, बबलेश पोटफोड़े, धीरेंद्र वर्मा, जगदीश बारपेटे, सुशीला बोडखे आदि गायत्री परिवार के परिजन मौजूद थे। सभी ने इस प्रयास की सराहना की॥

अवैध गांजा लेकर जा रही कार फोरलेन पर पलटी

बैतूल। नागपुर बैतूल सड़क मार्ग से अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी निरंतर जारी है मंगलवार की सुबह फोरलेन पर झीठा पाठी के पास अवैध गांजा ले जा रही कार पलट गई मौके से कार चालक फरार बताया जा रहा है कार पलटने की सूचना पुलिस को मिली थी बैतूल बाजार पुलिस ने कार और गांजा बरामद कर कार्यवाही की है अज्ञात आरोपी कार की डिक्की में स्टेपनी रखने की जगह पर गांजे के पैकेट छिपाकर ले जा रहे थे।

सापना जलाशय के पास फोरलेन पर एक सिल्वर रंग की कार के पलटने की सूचना पुलिस को मिली थी जिसके बाद बैतूल बाजार पुलिस मौके पर पहुंची थी। घटना सुबह की बताई जा रही है नागपुर की ओर से कार अवैध गांजा लेकर भोपाल की ओर जा रही थी इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और सड़क किनारे पड़े पत्थरों से टकरा कर पलट गई। कार की डिक्की में स्टेपनी टायर रखने की

जगह पर छिपाकर गांजा रखा हुआ था साथ ही कार चालक के बाजू वाली सीट के सामने भी कुछ पैकेट पड़े थे। बैतूल बाजार पुलिस ने कार सीधी कर उसमे रखा गांजा बरामद कर कार्यवाही शुरू की करीब दस से बारह किलो गांजा बरामद किया गया एवं फरार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है पुलिस द्वारा कितना गांजा बरामद किया गया है इसकी जानकारी पुलिस ने नही दी है क्योंकि अभी कार्यवाही पूरी नहीं हो पाई थी। बता दें की नागपुर बैतूल फोरलेन मार्ग से कार में छिपा कर अवैध गांजा तस्करी के कई मामले सामने आए है मिलानपुर टोल नाके पर भी पूर्व में कार, ट्रक में अवैध गांजा ले जाते नारकोटिक्स टीम ने पकड़ा है यह अवैध गांजा अधिकतर उड़ीसा से निकलता है जिसके बाद भोपाल के आसपास के इलाकों में भेजा जाता है। इस मामले में बैतूल बाजार थाना प्रभारी नीरज पाल ने बताया की सापना के पास कार पलटने की सूचना मिली थी पुलिस ने मौके पर जाकर देखा था जिसमे गांजा बरामद हुआ है कार्यवाही जारी है।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। देश की सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड को फेसबुक पर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी भीमसेना के संयोजक पंकज अतुलकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शाम को आरोपी को न्यायालय पेश किया जाएगा। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बैतूल निवासी भीमसेना के प्रदेश संयोजक पंकज अतुलकर ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड को फेसबुक पर जान से मारने की धमकी दी गई। पंकज ने अपने फेसबुक सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एससी, एसटी तबके के लिए आरक्षण को लेकर दिए गए फैसले का विरोध जताते हुए एक पोस्ट शेयर करते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को मारने की धमकी दी।पोस्ट में लिखा गया कि मुझे मौका मिला तो सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जिन्होंने अनुसूचित जनजाति के लोगों को गुलाम बनाने का फैसला सुनाया है और संविधान का उल्लंघन किया। ऐसे मानसिकता वाले सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को मार दूंगा। इस पोस्ट के बाद भुवनेश्वर गावंडे ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने एक्शन लेकर सीजीआई को धमकी देने वाले युवक के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया गया। गंज थाना प्रभारी रविकांत डहेरिया ने बताया कि धमकी देने वाले आरोपी को मंगलवार सुबह 11 बजे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को शाम के समय न्यायालय पेश किया जाएगा।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। थाना साईखेड़ा के क्षेत्र से 3 महीने से अपहृत एक नाबालिग को पुलिस ने इंदौर से खोज निकाला है। 17 वर्षीय नाबालिग का अपहरण करने वाले आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने नाबालिग को परिजनों को सौंप दिया है। मामले में यह भी सामने आया

है कि आरोपी ने नाबालिग का अपहरण कर बार-बार उसके साथ दुष्कर्म किया जा रहा था। इस पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर सोमवार को आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया है। थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर ने बताया कि आरोपी यश साहू (21) निवासी महाराष्ट्र अमरावती शादी में मुलताई आया था। जहां उसने नाबालिग से दोस्ती कर ली थी। इसके बाद में आरोपी ने नाबालिग का मई 2024 में अपहरण कर लिया था और उसके साथ इंदौर जाकर रह रहा था। पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस ने एक टीम इंदौर भेजकर नाबालिग को उसके कब्जे से छुड़ाया है। वहीं नाबालिग के बयान के आधार पर आरोपी पर दुष्कर्म सहित अन्य धाराएं बढ़ाई गई है। टीआई मुकेश ठाकुर ने बताया कि आरोपी को सोमवार को मेडिकल के बाद न्यायालय प्रस्तुत किया जा रहा है।

ऊं नमः शिवाय का जाप कर निकली कांवड़ यात्रा

श्रीराम सेना समिति के तत्वावधान में चौथे वर्ष में किया प्रवेश

बैतूल। श्रीराम सेना समिति बैतूल के तत्वावधान में मां ताप्ती के तट से कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हुआ, जो विभिन्न ग्रामों से होते हुए वापस देशबंधु वार्ड टिकारी के श्री शिव हनुमान मंदिर बैतूल में पूर्णाभिषेक के साथ सम्पन्न हुई। आयोजन को लेकर श्रीराम सेना समिति के अध्यक्ष दिनेश शेषकर ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति का यह चौथा वर्ष में प्रवेश किया है। श्री कांवड़ यात्रा के संबंध में श्री शेषकर ने बताया कि 4 अगस्त की रात्रि में सभी सदस्यगण चौपहिया वाहन से खेड़ीसांवलीगढ़ के मां ताप्ती के तट पर स्थित मंदिर पहुंची जहां रात्रि में ऊं नमः शिवाय जाप कर भजनों का गायन किया गया। प्रात समिति के सदस्यों द्वारा स्नान कर मां ताप्ती की आरती की गई तत्पश्चात् कांवड़ में मां ताप्ती का जल भरकर यात्रा की शुरूआत की गई।

ताप्ती तट से कांवड़ यात्रा निकाली गई, कांवड़ियों द्वारा शिव भक्ति के गीतों पर जमकर नृत्य किया गया।यात्रा विभिन्न ग्रामों से होती हुई निकली जिनका जगह-जगह ग्रामवासियों द्वारा स्वागत किया गया। कांवड़ियों द्वारा यात्रा के दौरान जगह-जगह पड़ने वाले मंदिरों में भी ताप्ती जल से अभिषेक किया गया। इसके पश्चात् कांवड़ यात्रा नगर में विभिन्न मार्गों से होते हुए देशबंधु वार्ड टिकारी स्थित श्री शिव हनुमान मंदिर पहुंची जहां मां ताप्ती के जल से भगवान शिव का अभिषेक किया गया। कांवड़ यात्रा में दिनेश शेषकर, सुरेश यादव, कृष्णा बारस्कर, संदीप सोलंकी, आंशिक पटने, अभिषेक छोटे पवार, प्रदीप खेरकर, तापीदास धोटे एवं राजू मालवीय सहित लगभग एक सैकड़ा से अधिक कांवड़िएं शामिल हुए।

महिलाओं ने गाजे-बाजे के साथ निकाली कांवड़ यात्रा, हर-हर महादेव व बोल बम के जयकारे से हुआ वातावरण गुंजायमान

भौरा । पवित्र श्रावण मास के उपलक्ष में महिला मंडल द्वारा मंगलवार को विशाल कावड़ यात्रा आयोजित की गई। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। बोल बम, हर हर महादेव ओर नमः शिवाय का दिव्य उद्घोष करती हुई महिलाएं स्थानीय मां बिजासन मंदिर नदी से पवित्र जल लेकर पैदल यात्रा करते हुए हनुमान मंदिर, मेन रोड से होते हुए ढोल धमाकों के साथ माता मोहल्ला बीजादेही रोड स्थित शंकर मंदिर पहुंची, जहां उन्होंने विधि विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। जिसमें महिला,पुरुष एवं बच्चे भी शामिल हुए। हर-हर महादेव व बोल बम के जयकारे से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। सर्वप्रथम नदी से जल भरकर मां बिजासेन मंदिर के शिवालय में पूजा-अर्चना व जलाभिषेक के पश्चात महिला कांवड़ियों का जत्था माता मोहल्ला बीजादेही रोड स्थित शिव मंदिर के लिए रवाना हुआ। गाजे-बाजे के साथ निकली कांवड़ यात्रा के दौरान हर तरफ भक्ति का माहौल छाया रहा। महिला शिव भक्तों का उत्साह पूरे चरम पर रहा। सड़कों पर झूमते शिव भक्त चौराहे पर भ्रमण करते हुए रवाना हुए। पवित्र सावन माह में कांवड़ से जल चढ़ाने का विशेष महत्व है। भगवान

शिव का जलाभिषेक करने का दौर सदियों से चला आ रहा है। बैंड बाजे की धुन पर महिला कावड़ियों का जत्था माँ बीजासेन मंदिर नदी से पवित्र जल लेकर पैदल यात्रा करते हुए माता मोहल्ला बीजादेही रोड स्थित शंकर मंदिर पहुंची। जहां उन्होंने विधिवत भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंगलवार को मौसम भी बिल्कुल साफ था, इसलिए महिलाओं की कावड़ यात्रा में किसी तरह रूकावट पैदा नहीं हुई। स्थानीय नागरिकों ने कावड़ यात्री महिलाओं का फूल बरसा कर अभिनन्दन किया। इस बीच हर-हर महादेव की गूंज से माहौल गुंजायमान होता रहा। पूजन आरती के पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया।

एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र संचालकों की कियोस्क आईडी अवैधानिक रूप से बंद, एसपी से की शिकायत

बैतूल। भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र संचालकों ने एसबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय आरबीओ-6 के एफआई मैनेजर और रीजनल मैनेजर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बिना किसी वैध कारण के उनकी कियोस्क आईडी बंद कर दी गई है, जिससे उन्हें मानसिक और आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।संचालकों का कहना है कि उन्हें प्रतिदिन 30 से अधिक प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, और अटल पेंशन योजना के लक्ष्यों को पूरा करने का दबाव डाला जा रहा है। लक्ष्यों की पूर्ति नहीं होने पर उनकी कियोस्क आईडी बंद कर दी गई है, जिससे उनका लगभग तीन लाख रुपये फंसा हुआ है।

रिजर्व बैंक की नियमावली का उल्लंघन-संचालकों का आरोप है कि यह कार्रवाई रिजर्व बैंक की वित्तीय समावेशन योजना की नियमावली का उल्लंघन है। बार-बार निवेदन के बावजूद न तो उनकी कियोस्क आईडी चालू की जा रही है और न ही फंसा हुआ पैसा लौटाया जा रहा है। इस अवैधानिक कार्रवाई से ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है। 20 से 30 किलोमीटर दूर से आने वाले पेंशन धारक, लाडली बहना के हितग्राही और अन्य ग्राहकों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सख्त कार्यवाही की मांग-संचालकों ने एसपी से निवेदन किया है कि उनकी कियोस्क आईडी तत्काल चालू की जाए और फंसा हुआ पैसा लौटाया जाए। साथ ही, भविष्य में इस प्रकार की अवैधानिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए आरबीओ-6 के एफआई मैनेजर और रीजनल मैनेजर के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। संचालकों का कहना है कि बीमा ग्राहकों की अनुमति के बिना किया जाना आपराधिक श्रेणी में आता है और बिना ग्राहक की अनुमति के बीमा करने का दबाव डालना गलत है। शिकायत में मांग की गई है कि इस प्रकार की तानाशाही और अवैधानिक गतिविधियों पर रोक लगाई जाए।

प्रभात पट्टन के एक घर में हुई चोरी की घटना, नगदी सहित सोन-चांदी के जेवर उड़ा ले गए चोर

बैतूल/मुलताई। क्षेत्र में एक बार फिर चोरी की घटनाएं आम होते जा रही है हाल ही में अज्ञात चोरों एक घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि प्रभात पट्टन निवासी अनिल पुत्र मुंशीलाल कोडोपे के घर 7 से 8 बजे के करीब कोई नहीं था। इसी बीच उनके घर में रखे हजारों रुपए नगद, एक जोड़ी सोने की अंगूठी, एक जोड़ी चांदी की पायल और एक सोने का मंगलसूत्र चोरी हो गए। घर की कुंडी खुली हुई थी और सामान बिखरा हुआ था, आलमारी भी खुली हुई थी। घटना के बाद जब अनिल घर पहुंचे तो उन्हें चोरी का पता चला जिसकी सूचना तत्काल पुलिस चौकी में दी गई जिसके बाद प्रधान आरक्षक सुशील धुर्वे और आरक्षक सलमान शाह मौके पर पहुंचे, फिलहाल उनके द्वारा जांच की जा रही है।

बिजली कंपनी ने दिए मनमाने बिल, बोरपेंड की महिलाओं ने कलेक्टर से की शिकायत

बैतूल। बोरपेंड ग्राम पंचायत की महिलाओं ने घरेलू बिजली बिलों में अनाप-शनाप बढ़ोतरी के खिलाफ कलेक्टर से शिकायत की है। जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाड़े के नेतृत्व में महिलाओं ने कलेक्टर से मुलाकात कर इस समस्या के निराकरण की मांग की।महिलाओं ने बताया कि पहले उनके घरों का बिजली बिल 100 रुपए के अंदर आता था, लेकिन पिछले तीन महीनों से यह 1300 से 900 रुपए तक आ रहा है। उनके घरों के मीटर बंद पड़े हैं और बिजली कंपनी बिना जांच के मनमाने बिल भेज रही है। महिलाएं मजदूरी करके अपने घर का खर्च चलाती हैं और इस बढ़े हुए बिल का भुगतान करने में असमर्थ हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बिजली कंपनी के अधिकारी मीटर लगाने के लिए उनसे पैसे मांग रहे हैं, जबकि मीटर कंपनी की गलती से खराब हुए हैं। उर्मिला गव्हाड़े की उपस्थित में कलेक्टर ने बिजली कंपनी के अधिकारी को सख्त निर्देश देकर समस्या का तत्काल समाधान करने को कहा।

हर घर तिरंगा 2024

हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा, हर शहर तिरंगा, हर गांव हो तिरंगा: सीएम डॉ.यादव

कलेक्टर्स की ली वर्चुअली बैठक

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रदेश के हर जिलों एवं तहसील स्तर पर देश भक्ति की भावना पर केन्द्रित तिरंगा यात्रा, मैराथन, बाइक रैली निकाली जाए। हर घर पर तिरंगा, तिरंगे के साथ डीपी, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तिरंगा बैनर लगाने की गतिविधियां को जन अभियान बनाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव बुधवार को हर

घर तिरंगा अभियान के आयोजन के संबंध में वर्चुअली बैठक में विधायकों एवं जिले के कलेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को आयोजित इस वर्चुअल बैठक में आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, भैंसदेही विधायक महेंद्र सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, नपाअ पार्वती बाई बारस्कर, जनपद अध्यक्ष, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन, पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तिरंगामय मय हो संपूर्ण प्रदेश-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश के सभी जिलों में 9 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। अभियान के माध्यम से 12 से 14 अगस्त तक प्रदेश में जिला, तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर अपने-अपने क्षेत्र में सम्मान पूर्वक राष्ट्रीय ध्वज के साथ तिरंगा यात्रा निकाली जाए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने नगर पालिका परिषद एवं जिला पंचायत के अधिकारियों को झंडे की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

रक्षाबंधन-मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर लाड़ली बहनों के खातों में 10 अगस्त को विजयपुर, जिला श्योपुर में सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि अंतरित की जाएगी। यह कार्यक्रम प्रदेश के सभी 55 जिलों में किया जाएगा। लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत अगस्त महीने की राशि 1250 रुपए के साथ विशेष सहायता राशि के रूप में सभी लाड़ली बहनों के खाते में 250 रूपए अंतरित किए जाएंगे।

अधिकारी करे सतत निगरानी-मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि बारिश का मौसम चल रहा है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो जान माल की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। बाढ़ के दौरान पुल और पुलिया पर से आवागमन पूरी तरह रोक दिया जाए। कंट्रोल रूम सभी जगह सतत निगरानी रखें। संबंधित अधिकारी पुल-पुलियाओं का लगातार निरीक्षण करते रहे।

बेसमेंट में चल रही थी कोचिंग, नपा ने की सील

मिडिल और हाई स्कूल की कक्षाओं के 50-50 बच्चों को कोचिंग दी जा रही थी

बैतूल। दिल्ली में हुए कोचिंग हादसे के बाद पूरे प्रदेश भर में जांच-पड़ताल चल रही है। इसी तारतम्य में बैतूल में भी कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को एक फर्नीचर दुकान को सील किया गया था। वहीं आज एक कोचिंग को सील किया गया है। नगर पालिका के अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नपा का अमला आज कालापाठा क्षेत्र में जांच को पहुंचा। इस दौरान एक मकान के बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थान पर छापा मारा। यह बेसमेंट सड़क से बहुत नीचे और नाले से सटा हुआ था। यहां पर जेकेआर (जेकेडी) नाम की कोचिंग चल रही थी। यह कोचिंग सेंटर बेसमेंट में सड़क से 20 फीट की गहराई में बने 3 कमरों में चल रहा था। यहां मिडिल और हाई स्कूल की कक्षाओं के 50-50 बच्चों को कोचिंग दी जा रही थी। नपा अमले ने पाया कि कमरे सीलन भरे हैं वहीं हवा आने-जाने की जगह भी नहीं है। बेसमेंट मुख्य सड़क के लेवल से भी बहुत नीचे था। बेसमेंट से सटकर नाला बहता है, जो कभी भी खतरनाक हो

सकता है।

इसके अलावा फायर सेफ्टी इक्विपमेंट और इसकी एनओसी भी नहीं पाई गई। यह देखकर नपा अमले ने कोचिंग बंद कर यहां से बच्चों को बाहर निकाला। इसके बाद नपा स्टाफ ने इस कोचिंग सेंटर को सील कर दिया। नपा के अनुसार इस मामले में संचालक के साथ ही मकान मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

फर्नीचर मार्ट पर भी कार्रवाई-इससे पहले सोमवार को राजस्व विभाग और नगर पालिका के अमले ने कालापाठा स्थित एक फर्नीचर मार्ट पर कार्रवाई की थी। यहां फायर इक्विपमेंट और फायर एनओसी नहीं पाए जाने पर फर्नीचर मार्ट को सील कर दिया गया था।

मिड घाट पर पटरियों के बीच मृत पाया गया मगरमच्छ...

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के इतिहास की यह पहली घटना होगी जब किसी मगरमच्छ की मौत ट्रेन की वजह बनी हो। मिड घाट पर खम्भा नंबर 779/22 के पास आज पटरी पर एक मगरमच्छ मृत पाया गया है। जिसका विभागीय पोस्ट

मार्टम हो रहा। मिस घाट पर आखिर यह मगरमच्छ पहुंचा कैसे होगा यह अनबुझ पहेली किसी को समझ नहीं आ रही। हालांकि कुछ दिन पहले नर्मदा में मगरमच्छ दिखाई देने की घटना नगर में बलबती थी, नर्मदा में मगरमच्छ दिखाई देने की घटना पर विश्वास कम किया जा रहा था। विधायक महोदय ने इस मामले में विभाग को सूचना देकर रेस्क्यु का आग्रह किया था। मिड घाट पर मगरमच्छ के मृत पाए, जाने से महसूस किया जा रहा है कि नर्मदा नदी में दिखाई देने वाली मगरमच्छ की बात पुष्टि हो रही है। विभागीय अधिकारी मिड घाट पर मगरमच्छ के पहुंचने को लेकर चिंतित हैं उनका मानना है हो सकता है कि रेलवे द्वारा कराए गए कार्य में जंगल में बनने वाले गड्ढे में पानी भराव उनके आकर्षण का कारण रहा होगा

विधायक चंद्रशेखर देशमुख मध्यप्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति सदस्य मनोनीत

बैतूल/मुलताई। विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक चंद्रशेखर देशमुख को मध्य प्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति में सदस्य मनोनीत किया गया। भाजपा मीडिया संयोजक रामचरण मालवीय, भाजपा नगर मंडल मीडिया प्रभारी राघवेंद्र रघुवंशी ने बताया कि मुलताई विधानसभा के विधायक चंद्रशेखर देशमुख को मध्य प्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति में सदस्य मनोनीत किया गया। विधायक चंद्रशेखर देशमुख को प्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति में सदस्य मनोनीत किए जाने की जानकारी मिलते ही सभी जनप्रतिनिधियों,

पदाधिकारी एवं समस्त कार्यकर्ता सहित जनता जनार्दन क्षेत्रवासियों में हर्ष व्याप्त है। विधायक चंद्रशेखर देशमुख को मध्य प्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति में सदस्य मनोनीत किए जाने पर मुलताई विधानसभा के सभी क्षेत्रवासी की ओर से प्रदेश की यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व्ही डी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, केंद्रीय मंत्री डीडी उइके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य शुक्ला का आभार व्यक्त किया गया। विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख को मध्य प्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति का सदस्य मनोनीत किए जाने पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनीष माथनकर, नपा अध्यक्ष वर्षा गढ़ेकर, जनपद पंचायत समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा बधाई दी गई।

ठेकेदार ने मकान निर्माण अधूरा छोड़ा, उपभोक्ता आयोग ने दिया 6 लाख चुकाने का आदेश

बैतूल। शहर में एक व्यक्ति का मकान बनाने का ठेका लेने वाले ठेकेदार के खिलाफ जिला उपभोक्ता प्रतितोषण आयोग ने सेवा में कमी मानते हुए करीब छह लाख चुकाने का आदेश किया है। मकान मालिक से हुए अनुबंध के मुताबिक ठेकेदार ने पूरा काम न कर उसे अधूरा छोड़ दिया था। मकान मालिक महादेव राव ने यह प्रकरण उपभोक्ता आयोग के सामने पेश किया था। जिस पर आयोग के अध्यक्ष विजय कुमार पांडे और सदस्य चंद्रशेखर माकोड़े ने पिछले दिनों यह आदेश दिया। परिवाद दायर करने वाले महादेव के अधिवक्ता आकाश शुक्ला ने बताया कि अनुबंधानुसार निर्माण की कुल लागत 38 लाख 50 हजार रुपए थी। जिसके बारे में समस्त करों के भुगतान की जिम्मेदारी ठेकेदार पर थी। ठेकेदार ने मकान मालिक से 38 लाख प्राप्त कर लेने के बाद भी भवन का निर्माण अधूरा छोड़ दिया ठेकेदार द्वारा छोड़े गए शेष निर्माण काम को पूरा करने की लागत के मूल्यांकन के लिए इंजीनियर से संपर्क कर उससे एग्रीमेंट के अनुसार बचे निर्माण काम का मूल्यांकन कराया गया। जिस पर उसे उसकी लागत 5 लाख 81 हजार का एस्टीमेट दिया गया। आयोग ने इस मामले की सुनवाई के बाद इसे सेवा में कमी मानते हुए ठेकेदार के खिलाफ आदेश दिया। जिसमें ठेकेदार एक माह के भीतर शेष निर्माण काम की लागत 5 लाख 31 हजार 548 प्रदान करें। यही नहीं वह एक माह के भीतर मकान मालिक को उसे हुए शारीरिक, मानसिक कष्ट के मद में 50 हजार रुपए और वाद व्यय के मद में 5 हजार रुपए देगा। इसमें चूक होने पर आदेश तिथि से भुगतान होने तक उक्त राशि 06 प्रतिशत वार्षिक साधारण दर से ब्याज भी देय होगा।

भतीजे ने ही की थी, आंगनवाड़ी सहायिका की हत्या

बैतूल। मुलताई थाना क्षेत्र के ग्राम माजरी में बीते दिनों आंगनवाड़ी सहायिका की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझा लिया है। सहायिका कि हत्या जादू टोने के शक में की गई थी। हत्या का आरोपी कोई और नहीं, बल्कि मृतिका का भतीजा ही है। टीआई राजेश सातनकर ने बताया कि 28 जुलाई को फरियादी रामराव उर्फ गुड्डू पिता रामशा कुमरे उम्र 32 साल निवासी ने रिपोर्ट किया था कि उसकी पत्नी सुनंदा कुमरे जो कि गांव में आंगनवाडी सहायिका है। वह 27 जुलाई की दोपहर करीबन 12.30 बजे खेत में निंदाई करने के लिये गयी थी। शाम तक वह वापस नहीं आयी तो अपने भतीजे सोहन के साथ खेत में जाकर तलाश किया तो रात करीबन 9.30 बजे अपने भाई श्यामू के खेत के कुएं में पत्नी की लाश मिली। जिसके सिर पर और गाल पर गहरे पर चोट के निशान थे।

फरियादी की रिपोर्ट पर मर्ग पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया है। मर्ग जांच में मृतिका के शव के पीएम रिपोर्ट में मृतिका को आई चोटें हत्यात्मक

होना पाई गई। मर्ग जांच पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 103 (1), 238 भारतीय न्याय संहिता का पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया। प्रकरण में अज्ञात आरोपी की पतारशी के लिए टीम गठित की गई। मृतिका के पति रामराव एवं साक्षियों से पूछताछ की गई। जिन्होंने बताया कि गांव में उनके कुटुंब परिवार के दशरथ पिता धरमसिंग कुमरे से उनका विवाद पिछले एक-दो साल से चला आ रहा है।

संदेही दशरथ पिता धरमसिंग कुमरे उम्र 35 साल निवासी ग्राम माजरी थाना मुलताई से पूछताछ की गई। जिसने बताया कि पिछले एक-दो साल से उसके परिवार में हमेशा किसी न किसी सदस्य की हमेशा तबीयत खराब रहती थी। जिसके कारण वह बहुत परेशान हो गया था। उसे यह शंका था कि कुटुंब परिवार की सुनंदा कुमरे जो कि उसकी काकी लगती है, के द्वारा जादू टोना किया जा रहा है। इसलिए जब सुनंदा उसके खेत में अकेली निंदाई कर रही थी तो उसके पास गया और जादू टोना करने की बात को लेकर पत्थर से उसके सिर पर वार किया। जिसके कारण वह अधमरी हो गई। इसके बाद उसे उठाकर पास ही कुएं में ले जाकर फेंक दिया। आरोपी के निशादेही पर घटना स्थल से घटना में प्रयुक्त पत्थर जप्त किया गया। आरोपी दशरथ पिता धरमसिंग कुमरे को गिरफ्तारी किया गया है। इस कार्यवाही में राजेश सातनकर थाना प्रभारी, उपनिरीक्षक बसंत आहके चौकी प्रभारी मासोद, प्रधान आरक्षक रामकृष्ण सिलारे, आरक्षक शिवराम परते, मेहमान कवरेती, गोपाल परमार, आरक्षक चालक सेवाराम पवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कन्या स्कूल का लगभग आधा परिसर खतरनाक जोन में, विभाग को जानकारी नहीं, स्कूल भी नहीं दे पाया जानकारी

शहर के आधा सैकड़ा शासकीय और निजी भवन कंडम हाल में, कागजों में जोरा-जोरी कर रहा प्रशासन

आमला। देश भर में कहीं भी कोई दुर्घटना हो जिसमें कई निर्दोषों की जान जाती है, तो स्थानीय प्रशासन भी अलर्ट मोड में आ जाता है, देखा गया है कि स्थानीय प्रशासन ऐसी दुर्घटनाओं पर कागजों में खूब जोरा जोरी करता है, और फिर गुजरते समय के साथ पूरी फाइलें दफ्तरों में धूल खाती नजर आती है, ऐसे ही पिछले दिनों प्रदेश के सागर जिले में हुई एक दुर्घटना पर प्रशासन ने फिर सर्वे और नोटिस का दौर शुरू कर दिया है, किंतु हर बार की तरह कहीं कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है, यहां पिछले वर्ष भी शहर के मेंन रोड इलाके में वर्षों पुराने बारिश के चलते कई भवन एक साथ जमीदोज हो गए थे, यहां संयोगवश ही लोगों की जिंदगियां बच पाई थी, सवाल इतना ही है कि आखिर देश में होती इन दुर्घटनाओं से सबक लेकर कोई कार्यवाही भी की जाएगी, या फिर सब कुछ कागजों तक ही सीमित रहेगा!

पता सब है तो फिर दिखावा क्यों

अगर नगर पालिका राजस्व विभाग की माने तो पूरे शहर में 50 से ज्यादा भवन ऐसे हैं, जो बेहद खतरनाक जोन में पहुंच गए हैं, और कभी भी बारिश के दौरान गिर सकते हैं, यहां हैरानी इस बात की भी है कि ऐसे दशकों पुराने भवन में लोग रह भी रहे हैं,अब इसे प्रशासन के लिए चुनैती भी मान सकते हैं, कि इन भवनो को खाली कराना और फिर इन लोगों के व्यवस्थापन के लिए प्रशासन को काफी मेहनत भी करना पड़ सकता है, इसके अलवा इलाके के लगभग दो दर्जन सरकारी भवन भी डेंजर जोन में आ गए हैं,जिनमें कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, और ऐसा भी नहीं है कि स्थानीय प्रशासन को या फिर जिला प्रशासन को ऐसे भवनों की पहले से कोई जानकारी नहीं है किंतु अभी तक प्रशासन केवल कागजों और सर्वे में ही भागा दौड़ी कर रहा है!

यहां तो तत्काल कार्यवाही की आवश्यकता

यूं तो शहर के कई इलाकों में शासकीय और निजी ऐसे भवन जो बेहद खतरनाक जोन में है उनकी संख्या आधा सैकड़ा से भी ज्यादा है, इनमें भी बस स्टैंड स्थित सराय जो आजादी के पूर्व की बनी है, रेलवे स्कूल,मेन रोड स्थित जनपद स्कूल, जनपद चौक स्थित पुराना कोर्ट,वार्ड नंबर 9 स्थित पुराना आंगनबाड़ी केंद्र, सोमवारी चौक और मस्जिद के पास स्थित नगर पालिका के पुराने भवन, ये ऐसे चिन्हित स्थल है जहां तत्काल कार्यवाही की आवश्यकता है।

कन्या स्कूल का आधा परिसर खतरे में

यही मेंन रोड स्थित कन्या स्कूल जहां लगभग 600 छात्र छात्राएं अध्यनरत है, इस परिसर का लगभग आधा इलाका बेहद खतरनाक जोन में है, हालांकि इन कमरों में कक्षाएं तो नहीं लग रही है, किंतु बच्चे यहीं पर खेलते भी हैं और खतरों से अनजान इन कमरों में भी चले जाते हैं, यहां सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात ये है कि इन खतरों को देखते हुए भी संस्था और विभाग के वरिष्ठो ने भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है जो जिम्मेदारों की घोर लापरवाही को दिखाता है, यहां भी तत्काल कार्यवाही की आवश्यकता है।

ये हमारा वो तुम्हारा से भी मुश्किलें

यहां अभी तक देखा गया है,कि बेहद गंभीर मसलों पर भी स्थानीय विभाग एक दूसरे पर ही ठीकरा फोड़ते हैं, शासन के आदेश के बाद भी अभी नगर पालिका, राजस्व विभाग, पीडब्ल्यूडी, बिजली कंपनी, शिक्षा विभाग ये तुम्हारा वो उसका है, के चक्कर में उलझा हुआ है, इससे भी इलाके में कार्रवाई होने में दिक्कतें हो रही है, इसके अलावा भी अन्य कई मामलों में भी स्थानीय विभाग हमारे तुम्हारे के चक्कर में अपनी जिम्मेदारियों से बचते रहते हैं, जिसका खामियाजा शहर को उठाना पड़ता है।

इनका कहना है

स्कूल के कुछ कमरे खतरनाक जोन में है इस बारे में संस्था द्वारा कब पत्र लिखा गया था, उसकी जानकारी नहीं है, किंतु आज ही इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखा जा रहा है।

- अंजुम खान प्रभारी प्राचार्य कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आमला

.पालिका द्वारा कराए सर्वे के अनुसार 50 से ज्यादा पुराने भवन मालिकों को नोटिस दिया गया है, समय सीमा में अगर मकान भवन खाली नहीं किया गया तो प्रशासन कार्रवाई करेगा, जो भवन नगर पालिका के अधिकार क्षेत्र में है, उन पर तो हम कार्रवाई करेंगे शेष शासकीय भवन आदि के लिए उनके विभाग को ध्यान देना चाहिए।

- वीरेंद्र तिवारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी आमला

पीपीपी मोड पर खुला मेडिकल कालेज तो करेंगे विरोध : वागद्रे

बोले अध्यक्ष पूरी तरह से सरकारी ही खुलना चाहिए मेडिकल कालेज

भारत छोड़ो आंदोलन के सेनानियों को श्रद्धांजलि के बाद कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

बैतूल। जिला अस्पताल को पीपीपी मोड में संचालित करने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी 8 अगस्त को विरोध प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेगी। भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ता शहीद भवन में दीप प्रज्वलित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे।

जनता की मांग पूरी करे सरकार

जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बैतूल में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा पिछली सरकार के दौरान चुनाव से पहले की गई थी। इस घोषणा में सरकार ने कहीं भी यह नहीं कहा था कि यह मेडिकल कॉलेज पीपीपी मोड पर खोला जाएगा। बैतूल की जनता की मांग है कि यहां जो मेडिकल कॉलेज खुले, वह पूरी तरह से सरकारी होना चाहिए, जिसमें कोई भी प्राइवेट पार्टनर नहीं होना चाहिए।

सरकारी खुलना चाहिए मेडिकल कॉलेज की मांग

बैतूल की जनता का मानना है कि सरकारी संसाधनों का उपयोग कर प्राइवेट पार्टनर केवल व्यवसाय करेगा, जिससे जनता का कोई भी हित नहीं होगा। बेहतर यह होगा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के अनुसार बुधनी तहसील की तरह ही बैतूल जिला मुख्यालय पर पूरा सरकारी मेडिकल कॉलेज खोला जाए। पीपीपी मोड के मेडिकल कॉलेज से बैतूल की जनता को क्या सुविधाएं हासिल होंगी, यह भी स्पष्ट नहीं है।

आंदोलन की चेतावनी

इसलिए संशय की स्थिति को देखते हुए बैतूल के हित में फैसला लिया जाए और सरकारी मेडिकल कॉलेज के लिए बजट में प्रावधान किया जाए। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो बैतूल की जनता कांग्रेस के नेतृत्व में सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने जिले के समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं से 8 अगस्त को दोपहर 12 बजे शहीद भवन बैतूल में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

पूर्व प्राचार्य आईएस दुबे का निधन

नरसिंहपुर। नरसिंह वार्ड के प्रतिष्ठित नागरिक पूर्व प्राचार्य श्री आर एस दुबे का करीब 86 वर्ष की आयु में अस्वस्थता के चलते निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार में सभी वर्ग के लोगों ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वर्गीय श्री दुबे श्रीमती सुभद्रा दुबे के पति, सुधीर दुबे, सुरेंद्र दुबे एवं सुषमा मिश्रा, ममता बोहरे के पिताश्री थे। विदित हो कि वे अनेक धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे और रचनात्मक कार्यक्रमों में सहभागिता देते थे।

हर घर तिरंगा एवं अन्य अभियानों को लेकर भाजपा की जिला बैठक संपन्न

एक-एक जन के मन में हो राष्ट्रीयता की भावना जागृत : कैलाश सोनी

हमारे पांच निष्ठा में पहले निष्ठा राष्ट्रवाद : अमिता चपरा

नरसिंहपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय नरसिंहपुर में प्रदेश नेतृत्व की मंशानुरूप हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा अभियान, तिरंगा रैली, विभाजन विभीषिका एवं अन्य आगामी कार्यक्रमों को लेकर जिला बैठक का आयोजन किया गया जिला अध्यक्ष इंजीनियर अभिलाष मिश्रा की स्वास्थ्य कारणों से अनुपलब्धता के कारण बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ जिला भाजपा उपाध्यक्ष शंकर चौधरी ने की व पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, जिला प्रभारी अमिता चपरा, तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अवधेश पटेल, मिलिंद डागा, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज, जिला महामंत्री ठाकुर राजीव सिंह, नंदकिशोर ठाकुर की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि हमारे सभी बैठकों व कार्यक्रमों के मूल में राष्ट्र प्रथम रहता है ।

लाठी प्रतियोगिता में 6 गोल्ड और 10 सिल्वर मेडल जीते

बैतूल के खिलाड़ियों ने भूटान में दिखाया प्रतिभा का लोहा

साउथ एशियन लाठी चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने पहुंचे खिलाड़ी

बैतूल। लाठी प्रतियोगिता में जिले के खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 6 गोल्ड और 10 सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिए हैं। दरअसल बैतूल के खिलाड़ी भूटान में आयोजित साउथ एशियन लाठी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। इस टूर्नामेंट में नेपाल, भूटान, श्रीलंका और भारत के खिलाडियों ने भाग लिया। बैतूल से इस प्रतियोगिता में शामिल होने थिंपू गई टीम 8 अगस्त को वहां से लौटेगी।

125 खिलाड़ियों ने लिया भाग-भूटान की

राजधानी थिंपू में यह टूर्नामेंट 4-5 अगस्त को आयोजित किया गया। जिसमें भारत से 125 खिलाडियों ने भाग लिया। टीम के राष्ट्रीय कोच विनोद बुंदेला ने बताया कि भारत से इस टूर्नामेंट में एमपी, महाराष्ट्र, वेस्ट बंगाल, राजस्थान, बिहार, असम की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में इंडिया की टीम्स को सबसे ज्यादा गोल्ड मिले। इसमें भी उज्जैन, बैतूल और शहडोल की टीमों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

आठ अगस्त को लौटेगी टीम-गौरतलब है कि यह टीम आज मेडल लेने के बाद थिंपू से रवाना होगी। जो 8 अगस्त की सुबह बैतूल पहुंचेगी। टूर्नामेंट में गोल्ड और सिल्वर मैडल हासिल करने वाले बच्चों ने बताया कि उन्होंने इस प्रतियोगिता की लिए खूब मेहनत की थी। उसी का परिणाम है की उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने को मिला। बता दें, कि यह खिलाड़ी आर्थिक तंगी के चलते इस चैंपियनशिप में भाग नहीं ले पा रहे थे। जिसके बाद बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने खिलाड़ियों के आने जाने समेत सारी व्यवस्थाओं के लिए राशि भेंट की थी।

सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ी

रक्षा रायपुर- एक, दो लाठी
सृष्टि गावंडे- लाठी युद्ध और एक लाठी
कृतिका राठौर- एक लाठी और दो लाठी
ऋषिका दुबे- एक लाठी
विशेष गावंडे- लाठी युद्ध और एक लाठी
गुंजन बुंदेली- एक लाठी
पीयूष कुंभारे- एक लाठी
गोल्ड मेडल जितने वाले खिलाड़ी
वंशिका बुंदेली- लाठी युद्ध, एक लाठी
गुंजन बुंदेली- लाठी युद्ध
सिद्धार्थ पाल- एक लाठी
हर्षित डेहरिया- एक लाठी
पीयूष कुंभारे- एक लाठी

राइट क्लिक

बांगलादेश की घटना से उपजे नरेटिव और भारत!

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

पड़ोसी देश और कभी भारत का ही हिस्सा रहे बांगलादेश में 5 अगस्त को हुए तख्ता पलट के बाद भारत में दो नरेटिव सामने आ रहे हैं, पहला तो यह कि धर्म की बुनियाद पर बने देशों में साम्प्रदायिक नफरत का जिन्न मौका मिलते ही फिर सिर उठाने लगता है। और दूसरा यह कि भारत में सत्ता का चरित्र बांगलादेश जैसा ही रहा तो यहां भी तख्ता पलट की आशंका है। जिसमें विदेशी ताकतें भी अपना खेल कर सकती हैं। भारत को बांगलादेश के घटनाक्रम से सबक लेना चाहिए। इसमें भी पहला नरेटिव अनुभव और परिस्थितिजन्य है तो दूसरा नरेटिव शुद्ध रूप से राजनीतिक है। हमे दोनों नरेटिव्स को उनके संदर्भों में समझना होगा। पहले नरेटिव को देखे तो बांगलादेश में जो आंदोलन आरक्षण विरोध को लेकर शुरू हुआ था, वह सत्ता शेख हसीना हटाओ आंदोलन में कैसे बदला और उसकी एक दिशा हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों में कैसे तब्दील हो गई। वहां के पीड़ित हिंदुओं का दोष शायद इतना ही था कि देश की कुल आबादी का महज 8 फीसदी रहे हिंदुओं में ज्यादातर हटाई गई पीएम शेख हसीना वाजेद की पार्टी के समर्थक थे। जो खबरें आ रही हैं, उसके मुताबिक बांगलादेश के 27 जिलों में हिंदू मंदिरों और हिंदुओं पर हमले और लूटपाट हुई है। दो हिंदू नेताओं को मार दिया गया है। हालांकि एक खबर यह भी आ रही है कि हिंसा का यह रूप उतना व्यापक नहीं है, जितनी की आशंका थी। बांगलादेशी हिंदुओं के बड़े संगठन बांगलादेश जातीय महाजोत के अध्यक्ष गोविंद चंद्र प्रामाणिक का कहना है कि 5 अगस्त की शाम कुछ हिंदू नेताओं पर हमला हुआ। फिर कुछ मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, लेकिन अब हालात पहले से काफी बेहतर हैं। हालांकि प्रामाणिक का यह बयान राजनीतिक और मजबूरी में दिया गया ज्यादा लगता है। क्योंकि वह शेख हसीना को भी साम्प्रदायिक बताते हैं और कहते हैं कि वो मुस्लिम परस्त थीं साथ ही शेख हसीना की विरोधी बीएनपी और जमायते इस्लामी की तारीफ भी करते हैं। दूसरी तरफ बांगलादेश की एक भुक्तभोगी हिंदू महिला का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वो कह रही है कि सेना कुछ जगह हिंदुओं की रक्षा कर रही है, लेकिन वह मुख्य मार्गों पर ही है। अंदरूनी इलाकों में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बेखौफ जारी है। इस बात की गंभीरता को इससे भी समझा जा सकता है कि अब अमेरिका, जिसके खुद तख्ता पलट साजिश में शामिल होने की आशंका है, उसने भी बांगलादेश में हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। वैसे भी वहां प्रतिपक्षी बांगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) तथा जमायते इस्लामी को कट्टर राष्ट्रवादी और मुस्लिम परस्त पार्टियां माना जाता है।

वैसे भारत, पाकिस्तान और बांगलादेश के इतिहास में अगस्त महीने का बड़ा महत्व है। अविभाजित भारत में 'बंग भंग आंदोलन' की समाप्ति के बाद अंग्रेजों की शह पर ऑल इंडिया मुस्लिम लीग की स्थापना 1906 में तत्कालीन बंगाल और आज के बांगलादेश की राजधानी ढाका में ही हुई थी। इस घटना के 41 साल बाद देश के दो टुकड़े हो गए थे। मुस्लिम लीग की स्थापना में ढाका के नवाब ख्वाजा सलीमुल्लाह की विशेष भूमिका थी।

यहां भारत में 9 अगस्त को हर साल 'अगस्त क्रांति दिवस' के रूप में याद किया जाता है। क्योंकि इसी दिन 1942 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 'अंग्रजों भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरूआत की थी। यह ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ भारतीयों का निर्णायक स्वतंत्रता आंदोलन था।

इस आंदोलन के चार साल बाद जब मुस्लिम लीग ने धर्म के आधार पर 'दो राष्ट्रों' की मांग को लेकर ब्रिटिश सरकार को अल्टीमेटम के रूप में 'डायरेक्ट एक्शन' का ऐलान किया, वह तारीख भी 16 अगस्त 1946 थी। मुस्लिम लीग ने उस दिन आम हड़ताल का आह्वान किया था, जिसका कांग्रेस और हिंदू वादी संगठनों ने विरोध किया। इसके बाद अविभाजित बंगाल के कोलकाता, नोआखाली व आसपास के इलाको में भयंकर मारकाट शुरू हो गई, जिसमें करीब 4 हजार लोग मारे गए। 1 लाख से ज्यादा घायल हुए। हालांकि इस हिंसा को शुरू करने को लेकर कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने एक दूसरे पर आरोप लगाए थे। लेकिन मानो यही काफी नहीं था, देश में हिंसा का दूसरा दौर आजादी के समय शुरू हुआ। 14 और 15 अगस्त की आधी रात को पूर्व का अखंड भारत, भारत और पाकिस्तान नामक धर्म के आधार पर दो देशों में विभाजित कर दिया गया। शुरू में दोनो देशों का स्वतंत्रता दिवस एक ही था। लेकिन बाद में पाकिस्तान 14 अगस्त को अपना 'यौम- ए- आजादी' घोषित किया। उसी दिन कराची में सत्ता का हस्तांतरण पाकिस्तान मुस्लिम लीग को हुआ था।

1971 में पाकिस्तान से अलग होकर नवोदित बांगलादेश बना और पूर्व में पाकिस्तान बनने वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग भी अप्रासंगिक हो गई। वहां 8 अगस्त 1976 को नई 'बांगला देश मुस्लिम लीग' नामक पार्टी की स्थापना हुई। अब यह पार्टी भी तीन धड़ो में बंट गई है और बांगला देश में वो कोई बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं है। उसकी विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम अब बांगला देश नेशनलिस्ट पार्टी और जमायते इस्लामी कर रही हैं।

यह भी विडंबना है कि जिस आधुनिक बांगलादेश की स्थापना शेख मुजीबुर्रहमान ने की थी और जिन्हें आदर के साथ वहां 'राष्ट्रपिता' कहा जाता है, उनकी हत्या भी 15 अगस्त 1975 को हुई थी। और अब 5 अगस्त को बांगलादेश में उनकी मूर्तियां तोड़ दी गईं। किसी देश के नागरिकों द्वारा अपने ही राष्ट्रपिता का यह अपमान हैरान करने वाला है। यह बात अलग है कि शेख मुजीब खुद 1947 में पाकिस्तान बनवाने वाली मुस्लिम लीग के सक्रिय युवा नेता थे। फिर भी बांगलादेश के लोगों की नाराजी शेख हसीना और अवामी लीग के प्रति हो सकती है, लेकिन मुजीबुर्रहमान की मूर्तियां तोड़ने का क्या मतलब है

इधर भारत में तीन साल पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अगस्त को विभीषिका दिवस मनाने का ऐलान किया था। तब उसकी आलोचना यह कहकर की गई थी कि वो देश विभाजन की हिंसक त्रासदी की यादों को फिर से जिंदा कर नए सिरे से साम्प्रदायिक नफरत फैलाना चाहते हैं। बेशक बुरी यादों को सहेजना कोई भी नहीं चाहता। लेकिन यह भी कड़वा सच है कि 14 अगस्त 1947 को भड़के दंगों में अकेले कोलकाता में ही 500 हिंदू मारे गए थे। कोलकाता और नोआखाली में भड़के भयंकर साम्प्रदायिक दंगों को रूकवाने महात्मा गांधी को वहां जाना पड़ा। उसके बाद हिंसा थमी। अब 5 अगस्त 2024 को बांगलादेश में राजनीतिक आंदोलन के समांतर जो साम्प्रदायिक हिंसा देखने को मिली, वह इस बात की झलक जरूर है कि 14 अगस्त 1947 को तत्कालीन भारत में क्या और कैसे हुआ होगा, खासकर बंगाल और पंजाब में जहां भीषण रक्तपात हुआ। पंजाब में तो 2 लाख लोग मारे गए और 20 लाख लोग बेघर हुए।

दूसरा नरेटिव परोक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी कार्यशैली पर कटाक्ष है। अर्थात् उन्होंने जनता की बात नहीं सुनी और अपने हिसाब से ही काम करते रहे तो हालात भारत में भी बिगड़ सकते हैं। हम जिसे 'तख्ता पलट' कह रहे हैं, बांगलादेश में उसे 'नई क्रांति' कहा जा रहा है। हालांकि भारत और बांगलादेश के राजनीतिक, सामाजिक चरित्र में बहुत अंतर है। एक आजादी का आंदोलन अलग रखें तो यहां कोई भी आंदोलन एक साथ समूचे देश को अपनी चपेट में नहीं ले सका है। बांगलादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में सेना कभी परोक्ष तो कभी प्रत्यक्ष रूप से सत्ता का संचालन करती रही है। भारत में वैसा नहीं है। हमारी व्यापक विविधता और विशालता और संप्रभुता ही हमारा आत्म अंकुश है। यहां कई बार बड़े राजनीतिक आंदोलन हुए हैं, जातीय हिंसा भी हुई है, साम्प्रदायिक दंगे भी हुए हैं, लेकिन उसकी व्याप्ति सीमित क्षेत्र तक ही रही है। चुनावों के अलावा सत्ता परिवर्तन का कोई भी औजार यहां आसानी से काम नहीं कर सकता। अगर शेख हसीना की तरह येन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने की प्रवृत्ति हावी हुई तो सबसे पहले जनता ही आपका साथ छोड़ेगी, यह तय है। लेकिन भारत में उसका तरीका अलग होगा। यहां मोदी को हटाना होगा तो जनता ही हटाएगी और दूसरे किसी को लाना होगा तो जनता ही लाएगी। कोई नरेटिव सेट करने के पहले हमे अपनी आत्म शक्ति और आंतरिक चरित्र की ताकत को कम आंकने की भूल नहीं करनी चाहिए।

बरगी नहर में गिरी कार, दो युवक लापता

4 दोस्त मामा के घर जा रहे थे; दो तैरकर बाहर आ गए

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में एक तेज रफ्तार कार बरगी नहर में जा गिरी। कार सवार 4 युवकों में से दो तैरकर बाहर निकल आए जबकि दो लापता हैं। पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम उनकी तलाश में जुटी है। कार नहर से निकाल ली गई है। हादसा मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक, जबलपुर के रहने वाले 4 दोस्त कार से सिमली गांव जा रहे थे। कूम्हिखुर्द गांव के पास कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। शुभम विश्वकर्मा और अनु अंसारी किसी तरह नहर से बाहर आ गए, जबकि शकील शाह और अंकित यादव का पता नहीं चल सका।एसडीईआरएफ की टीम नहर के पानी में युवकों की तलाश कर रही है।

रात में ही पहुंच गई थी पुलिस

शुभम विश्वकर्मा और अंकित यादव कंचनपुर, अनु अंसारी बाबा टोला जबकि शकील शाह रद्दी चौकी इलाके के रहने वाले हैं। मझगवां थाना पुलिस रात में ही मौके पर पहुंच गई थी। शकील और अंकित की तलाश शुरू की। बुधवार सुबह एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। सुबह करीब 8 :30 बजे कार पानी में से निकाली गई, लेकिन लापता युवकों का पता नहीं चला।

शुभम चला रहा था कार

मझगवां थाना प्रभारी धन्नू सिंह ने बताया कि कार शुभम विश्वकर्मा चला रहा था। फिलहाल, बोट के जरिए युवकों की तलाश की जा रही है।

प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान

सीएम ने कहा- 15 अगस्त तक जन उत्सव के रूप में मनेगा

तिरंगा सेल्फी और तिरंगा मेलों का होगा आयोजन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान और 15 अगस्त को जन उत्सव के रूप में मनाया जाए। जिलों में अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी वार्ड या ग्राम में तिरंगे झंडे की कमी न हो। शहर और गांवों में झंडों की सौ फीसदी उपलब्धता के लिए स्व सहायता समूहों के माध्यम से व्यवस्था की जाए। सीएम ने अफसरों से कहा कि प्रदेश में रक्षाबंधन और जन्माष्टमी का पर्व सामाजिक समरसता के साथ उत्साह और उल्लास से मनाया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में वर्षा काल को देखते हुए सावधानियां बरतने और मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए। बुधवार को सीएम निवास के समत्व भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और मंत्रालय के अफसरों की बैठक मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ली। प्रदेश स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई मीटिंग में मंत्रियों, नगरीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधि तथा संभाग व जिला स्तरीय अधिकारी वर्चुअल शामिल हुए।

सीएम श्योपुर से लाड़ली बहनों के खाते में भेजेंगे 1900 करोड़

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव 10 अगस्त को विजयपुर जिला श्योपुर से लाड़ली बहनों के खातों में 1900 करोड़ रुपए की राशि सिंगल क्लिक से ट्रांसफर करेंगे। विजयपुर में होने वाले स्व सहायता समूहों के सम्मेलन और रक्षाबंधन कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना अंतर्गत अगस्त माह के 1250 रुपए के साथ ही विशेष सहायता के रूप में लाड़ली बहनों के खातों में 250 रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे।

तिरंगा सेल्फी, तिरंगा मेलों का होगा आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैली, तिरंगा मैराथन, तिरंगा संगीत कार्यक्रम, तिरंगा कैनवास, तिरंगा सेल्फी और तिरंगा मेले जैसी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। सभी जिलों में देशभक्ति की भावना पर केंद्रित तिरंगा यात्राएं, दौड़- मैराथन, बाइक- साइकिल - कार रैली भी जन भागीदारी से आयोजित होंगी। हर घर पर तिरंगा लगाने, तिरंगे के साथ डीपी लगाने के साथ ही वेबसाइटों पर तिरंगा बैनर लगाने की गतिविधियों को जन अभियान बनाया जाएगा।

भोपाल में 45 साल पुरानी बिल्डिंग को खाली कराएगा निगम

- 5 नंबर मार्केट की जर्जर बिल्डिंग को देखने पहुंचे अफसर; पानी-बिजली की सप्लाई बंद होगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के सागर में दीवार गिरने से 9 बच्चों की मौत के बाद भोपाल में भी पुरानी और जर्जर बिल्डिंगों को लेकर कार्रवाई हो रही है। बुधवार को भी सभी एसडीएम-तहसीलदार अपने इलाकों में उतरे और ऐसे भवनों की जांच कर रहे, जो जर्जर है। एक दिन पहले भोपाल में हमीदिया गर्ल्स स्कूल की जर्जर दीवार को तोड़ा गया था, जबकि बैरसिया की 37 आंगनवाड़ी की शिफ्टिंग और 3 स्कूलों के जर्जर हिस्सों को सील किया जा चुका है। इधर, नगर निगम भोपाल के 5 नंबर मार्केट स्थित 45 साल पुरानी और जर्जर बिल्डिंग को भी खाली कराएगा। अफसरों ने मौके पर पहुंचकर बिल्डिंग को देखा। वहीं, हाउसिंग बोर्ड ने भी यहां पानी की सप्लाई काटने के लिए नगर निगम और बिजली काटने के लिए बिजली कंपनी को लेटर लिखा है। पांच नंबर स्थित बिल्डिंग पर नगर निगम और हाउसिंग बोर्ड ने इस तरह क्रास के निशान लगाए हैं।

री-डेवलपमेंट पॉलिसी के तहत नया प्रोजेक्ट बनेगा: बता दें कि 5 नंबर स्थित आरएसएस मार्केट में 165 मकान और 65 दुकानें हैं। यह पूरी कॉलोनी 45 साल पुरानी है। बिल्डिंग जर्जर हो चुकी है। सरकार की री-डेवेलेपमेंट पॉलिसी के तहत हाउसिंग बोर्ड इसे तोड़कर यहां नया प्रोजेक्ट ला रहा है। यहां के ज्यादातर लोगों ने नए प्रोजेक्ट के लिए अपनी सहमति दे दी है, लेकिन कुछ दुकानदार अपनी दुकान अभी खाली करना नहीं चाहते हैं। हालांकि, हाउसिंग बोर्ड सभी दुकानदारों को पास में अस्थाई दुकान बनाकर दे रहा है। नए प्रोजेक्ट में यहां के लोगों को हाउसिंग बोर्ड वर्तमान मकान से 20 फीसदी बड़ा घर बनाकर देगा। नए दुकान-मकान फ्री में मिलेंगे। साथ ही जितने समय प्रोजक्ट का निर्माण होगा, उतने समय तक कलेक्टर गाइड लाइन के मुताबिक बोर्ड किराया भी देगा। पांच नंबर मार्केट की यह बिल्डिंग हो चुकी है जर्जर। इस बिल्डिंग में रहने वाले लोगों के घरों का बिजली और पानी का कनेक्शन काटने के लिए हाउसिंग बोर्ड ने निगम और बिजली कंपनी को लेटर लिखा है।

नगर निगम जर्जर घोषित कर चुका

राजीव गांधी टेक्निकल यूनिवर्सिटी ने आरएसएस मार्केट के भवनों का स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी टेस्ट किया था। इस रिपोर्ट में 45-50 साल पुरानी इस इमारत को पूर्णत जीर्ण-शीर्ण बताया था। नगर निगम ने भी इस इमारत को जर्जर घोषित किया है।

24 घंटे के लिए खुलेगा भगवान नागचंद्रेश्वर का मंदिर

नाग पंचमी पर्व पर 50 बसें अधिग्रहित, मन्नत गार्डन से चलेंगी

उज्जैन (नप्र)। नागपंचमी का पर्व 9 अगस्त को मनाया जाएगा। गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात 12 बजे मंदिर के पट खोले जाएंगे। यह अगले 24 घंटे तक सतत खुले रहेंगे। इस दौरान करीब 10 लाख भक्तों के मंदिर पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। इसके लिए मंदिर समिति ने कई इंतजाम किए हैं, ताकि भक्तों को सहज दर्शन मिल सकें। नाग पंचमी पर्व पर भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन और भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के लिए अलग-अलग लाइन लगाई जाएगी।

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने प्रशासनिक अमले के साथ आगामी नाग पंचमी पर्व की दर्शन व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों द्वारा नाग पंचमी पर्व पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए निर्धारित किए गए पार्किंग स्थल (कर्कराज मंदिर के पास) का अवलोकन किया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कर्कराज पार्किंग स्थल की जमीन की लेवलिंग करवा दी जाए। यहां पर चूरी और गिट्टी डलवाई जाए, ताकि बारिश के मौसम के दौरान कीचड़ की समस्या न हो।

लोकतंत्र सेनानियों का राजकीय सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

- कैबिनेट ने ई-कैबिनेट को दी मंजूरी, बजट व्यवस्था के सुधार के लिए पीएमयू का गठन

भोपाल (नप्र)। मोहन यादव कैबिनेट ने निर्णय किया है कि लोकतंत्र सेनानियों का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। अंतिम संस्कार के लिए सरकार की ओर से दस हजार रुपए परिजनों को दिए जाएंगे। मोहन कैबिनेट ने ई- कैबिनेट को मंजूरी देते हुए वित्त विभाग में पीएमयू के गठन को स्वीकृति प्रदान की है।

नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। कहा- अलग-अलग विभागों की कार्य आवंटन व्यवस्था में बदलाव को मंजूरी दी गई है। तकनीकी का अधिकतम उपयोग कर पारदर्शी सरकार चलाने के लिए यह बदलाव किया गया है।

सरकार ने तय किया है कि ई- कैबिनेट व्यवस्था लागू होगी। इसके अंतर्गत पेपरलेस व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि ग्रीन स्टेट की ओर एमपी बढ़ रहा है, कागज का कम से कम उपयोग किया जाएगा। ई-कैबिनेट के लिए ई गवर्नमेंट, ई गवर्नेंस लागू की जाएगी।

भोपाल में विधायक-सांसदों के अपार्टमेंट में 12 लाख की लूट

भोपाल (नप्र)। भोपाल में विधायक और सांसदों की मल्टी स्टोरी बिल्डिंग रचना टॉवर में बुधवार सुबह 12 लाख की लूट हो गई। यहां एक फ्लैट में बने शराब कंपनी के दफ्तर में घुसकर दो बदमाशों ने मैनेजर को कट्टा अड़ाया। फिर रुपयों से भरा बैग ले भागे। पुलिस ने केस दर्ज बदमाशों की तलाश में शहर की नाकेबंदी कर दी है। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। क्राइम ब्रांच की टीम भी मौके पर पहुंची है। डीसीपी श्रद्धा तिवारी ने कहा कि जल्द आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, रचना टॉवर में शराब कंपनी का दफ्तर अवैध रूप से चलाया जा रहा है। जिस सीनियर एमआईजी फ्लैट एसआर 108 में शराब कंपनी चल रही है, वह पूर्व विधायक साहू का है। डीसीपी श्रद्धा तिवारी ने बताया कि कई फ्लैट्स में बाहरी लोग रह रहे हैं। जिम्मेदारों को किराएदारों का वेरिफिकेशन कराने के लिए निर्देशित किया है। यह भी चेक किया जा रहा है कि जिस फ्लैट में लूट हुई वहां के किराएदारों का वेरिफिकेशन कराया गया था या नहीं।

शराब कंपनी के मैनेजर को कट्टा अड़ाया, रुपयों से भरा बैग ले भागे बदमाश

कर्मचारी का नाम लेकर खुलवाया दरवाजा

गोविंदपुरा पुलिस ने बताया, रचना टॉवर के फर्स्ट फ्लोर पर फ्लैट नंबर एसआर 108 में नामी शराब कंपनी का दफ्तर है। बुधवार सुबह करीब 8.30 बजे दो लोग यहां पहुंचे। उन्होंने दरवाजा खटखटाया। दरवाजा नहीं खुला तो शराब कंपनी के कर्मचारी वीरेंद्र गुप्ता के नाम से आवाज लगाई। 63 वर्षीय मैनेजर श्याम सुंदर जायसवाल ने दरवाजा खोला। बदमाशों ने वीरेंद्र गुप्ता के बारे में पूछा। इस पर श्याम सुंदर ने दोनों को दफ्तर के अंदर बैठा लिया।

पीने के लिए पानी मांगा, फिर कट्टा अड़ाया

बदमाशों ने पीने के लिए पानी मांगा तो श्याम सुंदर किचन की तरफ बढ़े। उनके मुड़ते ही बदमाशों ने कट्टा निकाला और पीठ पर लगा दिया। फिर दफ्तर में रखे कैश के बारे में पूछने लगे। नहीं बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डरे-सहमे मैनेजर ने फ्लैट के फर्स्ट फ्लोर पर रुपए रखे होने की बात कही। बदमाश उन्हें लेकर फर्स्ट फ्लोर पर पहुंचे। यहां रुपयों से भरा बैग उठाया और वापस नीचे आ गए। यहां श्याम सुंदर को धक्का देकर भाग निकले।

तीन कर्मचारी फ्लैट में सोते रहे, लूट हो गई: पुलिस ने बताया कि जिस वक्त लूट हुई, फ्लैट में मैनेजर श्याम सुंदर सहित चार कर्मचारी थे। श्याम सुंदर गेट खोलने के लिए कमरे में सो रहे दूसरे कर्मचारियों को बताए बिना ही चले गए थे। वारदात के दौरान तीनों कर्मचारी सोते ही रहे। श्याम सुंदर ने उन्हें जगाकर वारदात की जानकारी दी।

15 मिनट 23 सेकंड में की वारदात

एसीपी दीपक नायक ने बताया कि आरोपी फ्लैट में दाखिल होने के बाद 15 मिनट 23 सेकेंड घर में रहे। उन्होंने फ्लैट में सो रहे युवकों के दोनों रूम को लॉक कर दिया था। इसके बाद मैनेजर से कहा कि कैश जहां रखा है वहां लेकर चलें। मैनेजर ने कट्टे के डर से बिना किसी विरोध कैश वाला बैग बता दिया। आरोपी बैग लेकर भाग निकले। इसके बाद मैनेजर ने अंदर मौजूद तीनों साथियों को शोर मचाकर उठाया। दोनों लॉक रूम को खोला और आरोपियों की तलाश बिल्डिंग में की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।